संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 52 सोमवार 23 दिसम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

भारत दुनिया में किसी से नहीं डरता

» जो सही होगा वही करेगा भारत...

» विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बहुत ही साफ शब्दों में पूरी दुनिया को बता दिया है कि भारत कभी भी दूसरों को अपने विकल्पों पर वीटो लगाने की अनुमति नहीं दे सकता है...

नई दिल्ली,22 दिसम्बर 2024 (ए)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत कभी भी दूसरों को अपने फैसलों पर 'वीटो' लगाने की अनुमति नहीं देगा और वह किसी डर की परवाह किए बिना राष्ट्रीय हित और वैश्विक भलाई के लिए जो भी सही होगा वह करेगा। मुंबई में एक समारोह के लिए दिए गए वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि जब भारत वैश्विक चेतना में अधिक गहराई से अंकित हो जाता है, तो इसके परिणाम वास्तव में बहुत ज़बर्दस्त होते हैं. उन्होंने कहा कि अस्वस्थ आदतों, तनाव पूर्ण जीवनशैली या बार-बार होने वाली जलवायु घटनाओं से जूझ रही दुनिया में भारत की विरासत से बहुत कुछ सीखा जा सकता है, लेकिन दुनिया को तभी पता चलेगा जब देशवासी इस पर गर्व करेंगे।

बिना भारतीयता खोए भारत को आगे बढ़ना होगा

जयशंकर ने कहा कि वैश्वीकरण के युग में प्रौद्योगिकी और परंपरा को एक साथ चलना होगा. उन्होंने कहा, भारत अवश्य ही प्रगति करेगा, लेकिन उसे अपनी भारतीयता खोए बिना ऐसा करना होगा। तभी हम बहुध्रुवीय विश्व में वास्तव में अग्रणी शक्ति के रूप में उभर पाएंगे।

वीटो पर जयशंकर ने क्यों भरी हुंकार ?

जयशंकर को 27वें 'एसआईईएस श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती नेशनल एमिनेंस अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार का नाम कांची कामकोटि पीठम के 68वें द्रष्टा दिवंगत श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती के नाम पर रखा गया है। विदेश मंत्री इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए लेकिन उन्होंने अपना वीडियो संदेश भेजा। उन्होंने कहा, स्वतंत्रता को कभी भी तटस्थता के साथ भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए। हम 'संगत' होने के किसी डर की परवाह किए बिना अपने राष्ट्रीय हित और वैश्विक भलाई के लिए जो भी सही होगा,वह करेंगे। भारत कभी भी दूसरों को अपने फैसलों पर वीटो लगाने की अनुमति नहीं दे सकता। जयशंकर ने कहा कि भारत आज एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। एक तरफ, पिछले दशक ने दिखाया है कि उसके पास क्षमताएं,आत्मविश्वास और सबसे महत्वपूर्ण बात, व्यापक मोर्चों पर विकास को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता है।

हमें समझनी होगी अपनी विरासत

विदेश मंत्री ने कहा कि बहुत लंबे समय से हमें प्रगति और आधुनिकता को अपनी विरासत और परंपराओं को अपनाने के रूप में नहीं देखना सिखाया गया है। उन्होंने कहा कि अब जबकि लोकतंत्र की गहराई ने और अधिक प्रामाणिक आवाजें उठाई हैं, देश खुद को फिर से खोज रहा है और अपने व्यक्तित्व को फिर से पा रहा है। जयशंकर ने कहा कि भारत एक असाधारण राष्ट्र है क्योंकि यह एक सभ्यता वाला देश है। उन्होंने कहा कि ऐसा देश तभी प्रभाव डालेगा जब वह वैश्विक क्षेत्र में अपनी सांस्कृतिक शक्तियों का पूरा लाभ उठाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए यह आवश्यक है कि हम स्वयं, युवा पीढ़ी,अपनी विरासत के मूल्य और महत्व से पूरी तरह अवगत हों।विदेश मंत्री ने आगे कहा कि वैश्विक मंच पर इसने खुद को एक स्वतंत्र शक्ति के रूप में स्थापित किया है, लेकिन वैश्विक भलाई, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण की भलाई के लिए प्रतिबद्ध है। जयशंकर ने कहा कि हालांकि, हमारे लिए लंबे समय से जो बाधाएं और सीमाएं बनी हुई हैं, वे अभी भी बनी हुई हैं। ऐसे दृष्टिकोण और विचारधाराएं हैं जो हमारे लिए अधिक निराशावादी और यहां तक कि अपमानजनक हैं।

जालंधर में 1 वोट से जीता आप उम्मीदवार

बेटे की हार से पिता की मौत

जालंधर,22 दिसम्बर 2024 (ए)। पंजाब के 5 नगर निगमों जालंधर, लुधियाना, अमृतसर, पटियाला और फगवाड़ा में हुए मतदान को लेकर रिजल्ट आ गए है। जालंधर नगर निगम के वार्ड नंबर 48 में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार हरजिंदर सिंह लाडा सिर्फ एक वोट से जीते हैं। उन्होंने आजाद उम्मीदवार शिवनाथ शिबू को हराया है।

बेटे की हार से पिता की मौत

चुनाव नतीजों के बीच वार्ड नंबर 26 से बीजेपी उम्मीदवार बृजमोहन की हार की खबर सुनते ही पिता की हार्ट अटैक से मौत हो गई। पिता का नाम सरदारी लाल गुप्ता है।

पंजाब में निगम चुनाव के रिजल्ट

लुधियाना में कांग्रेस के पूर्व मंत्री भारत भूषण आशु की पत्नी ममता आशु हार गई

जालंधर में कांग्रेस छोड़ आम आदमी पार्टी में शामिल हुए पूर्व मेयर जगदीश राजा और उनकी पत्नी चुनाव हार गई हैं।

अमृतसर में कांग्रेस के उम्मीदवार पिता और बेटी ने जीत हासिल की। वार्ड 14 से राज कंवल लक्की और वार्ड 9 से डॉ. शोभित कौर ने बाजी मारी है।

लुधियानाः वार्ड नंबर 84 से पूर्व डिप्टी मेयर शाम सुंदर मल्होत्रा जीते।

जालंधर के 71 वार्डों में परिणाम घोषित

जालंधर में आम आदमी पार्टी की लहर देखने को मिली। पार्टी ने 71 वार्डों में से 38 पर जीत हासिल की है। वहीं कांग्रेस पार्टी दूसरे नंबर पर रही। कांग्रेस ने 71 में से 17 सीटों पर जीत हासिल की है। जबकि बीजेपी को महज 13 सीटों से संतोष करना पड़ा। यहां अब तक 2 आजाद उम्मीदवार भी जीते हैं।

महत्वपूर्ण खबर

कांग्रेस-भाजपा एक ही थैली के चट्टे-बट्टे : मायावती

लखनऊ,22 दिसम्बर 2024 (ए)। राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भीमराव अंबेडकर पर दिए गए बयान को लेकर जारी सियासी संग्राम जारी है। इसी बीच बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने एक बार फिर भाजपा और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर का नाम लेकर उनके अनुयायियों के वोट के स्वार्थ की राजनीति करने में कांग्रेस और भाजपा एक ही थैली के चट्टे-बट्टे हैं।

जैसलमेर में हुई जीएसटी काउंसिल की 55 वीं बैठक

» छोटे व्यापारियों और स्किल ट्रेनिंग संस्थानों को मिली ये राहत

जैसलमेर,22 दिसम्बर 2024 (ए)। राजस्थान के जैसलमेर में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी काउंसिल की 55वीं बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में छोटे व्यापारियों, स्किल ट्रेनिंग संस्थानों और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए कई बड़े फैसले लिए गए, जो व्यापार और रोजगार को बढ़ावा देने में सहायक होंगे।

छोटे व्यापारियों के लिए राहत भरे कदम

बैठक के दौरान वित्त मंत्री ने घोषणा कि है की अब छोटे व्यवसायों के लिए तस्ज्ञ पंजीकरण प्रक्रिया को आसान किया जाएगा जिससे व्यापारियों को राहत मिलेगी।

स्किल ट्रेनिंग पर जीएसटी छूट

वित्त मंत्री ने कहा कि अब स्किल ट्रेनिंग देने वाले संस्थाओं और पार्टनर्स को तस्ज्ञ से छूट मिलेगी। इसके लिए एक नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया है जिससे यह छूट औपचारिक रूप से लागू हो गई है।

इलेक्ट्रिक वाहनों पर जीएसटी में बदलाव

बैठक में इलेक्ट्रिक वाहनों पर जीएसटी को लेकर भी अहम निर्णय लिया गया। वित्त मंत्री ने कहा कि नए इलेक्ट्रिक वाहनों पर 5 प्रतिशत जीएसटी लागू होगा जिससे इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बिक्री बढ़ने की उम्मीद है लेकिन अगर कोई सेकेंड हैंड इलेक्ट्रिक गाड़ी खरीदी जाती है तो उस पर जीएसटी लागू नहीं होगा।

अगर कोई कंपनी या विक्रेता सेकेंड हैंड इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बनाकर बेचता है तो उस पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाया जाएगा। यह निर्णय इलेक्ट्रिक गाड़ियों को लेकर सरकार के पहले 5 प्रतिशत जीएसटी के प्रस्ताव से अलग है जो जीएसटी काउंसिल की मीटिंग में बढ़कर 18 प्रतिशत हो गया। कहा जा सकता है कि इस बैठक में लिए गए निर्णय छोटे व्यवसायों और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए महत्वपूर्ण हैं और यह निर्णय तस्ज्ञ प्रक्रिया को सरल बनाने और कारोबार को बढ़ावा देने के लिए दिशा तय करेंगे।

कंपनसेशन सेस पर एसयूव्ही और अन्य वस्तुओं पर फैसले

कंपनसेशन सेस पर चर्चा करते हुए निर्मला सीतारमण ने कहा कि इस पर विचार जारी है लेकिन अभी तक इस पर कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। यह सेस खासकर उन वस्तुओं पर लगाया जाता है जिनसे सरकार को राज्यों को भुगतान करने के लिए सहायता मिलती है।

एसयूव्ही पर लागू होगा कंपनसेशन सेसः सीबीआईसी का बयान

सेंट्रल बोर्ड ऑफ इंडायरेक्ट टैक्सेस एंड कस्टम्स ने कंपनसेशन सेस के संदर्भ में बयान दिया कि यह सेस एसयूव्ही (स्पेशल यूटिलिटी व्हीकल्स) पर लागू होगा। हालांकि जो गाड़ियां पहले बिक चुकी हैं उन पर यह सेस लागू नहीं होगा।

बीजेपी का नेता बलात्कारी

» दोस्तों के साथ विधायक ने महिला का किया गैंगरेप...

» जमीन हड़पने का भी आरोप...

» तो ऐसे मिलेगी बहन-बेटियों को सुरक्षा ?

बदायूं,22 दिसम्बर 2024 (ए)। यूं तो भाजपा के तमाम बड़े नेता महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा का दावा करते हैं, लेकिन यहां तो बीजेपी विधायक ने ही कांड कर दिया। कांड भी कोई छोटा-मोटा नहीं। बीजेपी विधायक हरीश शाक्य, बरेली के कारोबारी समेत 3 लोगों के खिलाफ गैंगरेप और जमीन हड़पने का आरोप लगा है। साथ ही महिला का वीडियो भी बनाने का आरोप है। पुलिस ने सभी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। यह कार्रवाई एमपी-एमएलए कोर्ट के आदेश पर की गई है. कोर्ट ने 10 दिन के भीतर रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिए थे।

पहली बीवी को 500 करोड़ मिले,तो दूसरी ने कहा मुझे भी इतने ही चाहिए

» दूसरी पत्नी की मांग पर एससी की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली,22 दिसम्बर 2024 (ए)। भारत में जन्मे और अमेरिका में एक सफल आईटी कंसल्टेंसी सेवा चलाने वाले एक व्यक्ति को शादी और तलाक की भारी कीमत चुकानी पड़ी। नवंबर 2020 में अपनी पहली पत्नी को 500 करोड़ रुपये के गुजारा भत्ते के रूप में देने के बाद, अब सुप्रीम कोर्ट ने उनकी दूसरी पत्नी को 12 करोड़ रुपये देने का आदेश दिया है। उनकी दूसरी शादी केवल कुछ ही महीनों तक चली थी। इस व्यक्ति ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर अपनी पूरी तरह से टूट चुकी शादी को रद्द करने की मांग की थी। उनकी दूसरी शादी 31 जुलाई 2021 को हुई थी और कुछ ही महीनों बाद टूट गई। दूसरी पत्नी ने स्थायी गुजारा भत्ते की मांग करते हुए कहा कि उसे भी पहले पत्नी के बराबर भुगतान मिलना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट की न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और पंकज मिथल की पीठ ने दूसरी पत्नी की मांग को खारिज करते हुए कहा कि पहली पत्नी के साथ कई वर्षों तक वैवाहिक जीवन बिताने की तुलना में दूसरी पत्नी का मामला अलग है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने अपने 73 पेज के निर्णय में लिखा, हमें उस प्रवृत्ति पर गंभीर आपत्ति है, जहां पक्षकार अपने जीवनसाथी की संपत्ति, स्थिति और आय को आधार बनाकर समान धनराशि की मांग करते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर जीवनसाथी की संपत्ति अलग होने के बाद कम हो जाए, तो ऐसी मांगें क्यों नहीं की जातीं?

बरेली जिला न्यायालय से राहुल गांधी को नोटिस

7 जनवरी को अदालत में किया तलब

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर 2024 (ए)। बरेली जिला न्यायालय ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को उनके जाति जनगणना संबंधी बयान पर नोटिस जारी किया है। यह नोटिस पंकज पाठक द्वारा दायर याचिका के बाद जारी किया गया, जिसमें राहुल गांधी के बयान को देश में सिविल युद्ध शुरू करने के प्रयास के रूप में आरोपित किया गया है। अदालत ने गांधी को 7 जनवरी को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया है।पाठक ने अपनी याचिका में दावा किया कि राहुल गांधी का बयान देश में

सामाजिक विघटन और अशांति को बढ़ावा दे सकता है, जिससे न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता है। याचिका पहले एमपी-एमएलए अदालत में दायर की गई थी, लेकिन उसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद पाठक ने जिला न्यायालय में अपील की, जिसे स्वीकार करते हुए अदालत ने राहुल गांधी को नोटिस जारी किया।इस बीच, राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने शाह और भाजपा पर संविधान का अपमान करने और डॉ. भीमराव अंबेडकर का अनादर करने का आरोप लगाया। गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा,भारत इस गलती को माफ नहीं करेगा। गृह मंत्री को माफी मांगनी चाहिए और इस्तीफा देना चाहिए।

संभल में मिली 250 फीट गहरी बावड़ी

राजस्व विभाग करा रहा खुदाई

संभल,22 दिसम्बर 2024 (ए)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में चंदौसी में राजस्व विभाग ने एक जमीन की खुदाई की। उस दौरान एक विशालकाय बावड़ी के बारे में खुलासा हुआ।

250 फीट गहरी बावड़ी के मिलने से इलाके में हलचल मच गई है। बावड़ी के बारे में यह कहा जा रहा है कि यह बहुत पुरानी हो सकती है और इसमें ऐतिहासिक महत्व हो सकता है।बताया जा रहा है कि चंदौसी के लक्ष्मणगंज इलाके में 1857 से पहले हिंदू बाहुल्य था। यहां सैनी समाज के लोग रहते थे लेकिन वर्तमान में यहां मुस्लिम समुदाय की जनसंख्या अधिक है।

जिलाधिकारी राजेंद्र पेसियां ने बताया कि खतौनी के अंदर पॉइंट 040 अर्थात 400 वर्ग मीटर क्षेत्र है। वह बावली तालाब के रूप में यहां दर्ज है। स्थानीय लोग बताते है कि बिलारी के राजा के नाना के समय बावड़ी बनी थी। इसका सेकंड और थर्ड फ्लोर मार्बल से बना है। ऊपर का तल ईटों से बना हुआ है। इसमें एक कूप भी है और लगभग चार कक्ष भी बने हुए हैं। धीरे धीरे मिट्टी निकाल रहे हैं ताकि इसकी संरचना को किसी भी प्रकार की कोई हानि न हो। वर्तमान में इसका 210 वर्ग मीटर एरिया ही लग रहा है, शेष क्षेत्रफल कब्जे में है। कम से कम सवा सौ से डेढ़ सौ वर्ष पुरानी बावड़ी हो सकती है।

दरअसल संभल में 46 साल पुराने मंदिर मिलने के बाद डीएम को एक शिकायत पत्र दिया गया था, शिकायत पत्र में यह दावा किया गया था कि लक्ष्मणगंज में पहले बिलारी की रानी की बावड़ी थी।

संभल जिले के लक्ष्मणगंज इलाके में बिलारी की रानी की बावड़ी से संबंधित शिकायत के बाद जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) ने मामले की जांच के आदेश दिए। जिसके बाद शनिवार को राजस्व विभाग से नायब तहसीलदार धीरेन्द्र सिंह इलाके के नक्शे के साथ वहां पहुंचे थे। खुदाई के दौरान जमीन से एक प्राचीन इमारत के अवशेष निकलने लगे। यह अवशेष काफी पुरानी संरचनाओं के होने के संकेत दे रहे थे, जो स्थानीय इतिहास और संस्कृति के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

बर्थ-डे पार्टी में चली गोलियां

दमोह,22 दिसम्बर 2024 (ए) शहर में एक बर्थडे पार्टी में गोलियां चलने से डांस कर रही एक डांसर घायल हो गई। डांसर के पैर पर गोली लगने से उसे जिला अस्पताल में दाखिल कराया गया है। विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष पर गोली चलाने आरोप है। फिलहाल मामले की जांच में पुलिस जुट गई है।

दरअसल मामला जिले के हटा थाने के रोसरा गांव का है जहां धन सिंह के यहां जन्मदिन की पार्टी थी। इस पार्टी में बड़े इंतजाम किए गये और इलाके के तमाम नामवर लोगों को बुलाया गया। लोगों के मनोरंजन के लिए फेमस डांसर्स को बुलाया गया था। लोग डीजे की धुन में डांसर्स के डांस कर रहे थे तभी अचानक गोली चलने की आवाज आई और अफरातफरी मच गई। फायरिंग के बाद फ्लोर पर नाच रही एक डांसर गिरी पड़ी और उसके एक पैर का पंजा फट गया और खून निकल रहा था। लोगों ने देखा तो मालूम हुआ कि डांसर को गोली लगी है। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया। आयोजनकर्ता ने बताया की विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष बबलू राय के साथ कुछ साथी आये थे उसी ने अपनी बन्दूक से गोली चलाई है। गोली चलाने की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है।

शर्म से लाल हुए एसडीएम जब ऑक्सीजन लगाकर पेंशन के लिए पहुंची बुजुर्ग महिला

गोरखपुर,22 दिसम्बर 2024 (ए)। गोरखपुर जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है। जिसे जानकर आपका भी सरकार सिस्टम के नियम से भरोसा उठ जाएगा। दरअसल गोरखपुर तहसील सदर के तहसील समाधान दिवस में एक बृद्ध महिला ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ पहुंची। जानकारी के अनुसार सुमिरती देवी पत्नी स्वर्गीय रामबृक्ष यादव निवासी सिहोरिया तहसील जिला गोरखपुर की रहने वाली हैं। सुमिरती देवी विधुत बितरण खण्ड प्रथम मोहद्दीपुर में श्रमिक पद पर तैनात थीं। 30 अप्रैल 2020 को वह सेवानिवृत्त हो गईं। लेकिन उनकी पेंशन अभी तक नहीं बनी. 4 वर्षों बाद भी पेंशन नहीं बन पाने के कारण वह एक-एक पैसे को मोहताज हैं और अपना इलाज भी सही से नहीं करवा पा रही हैं। इस समय सुमिरती देवी की हालत बहुत खराब है और वह ऑक्सीजन सिलेंडर पर चल रही हैं।

सुमिरती देवी के लिए जीवन यापन करना बहुत कठिन हो गया है। पेंशन के लिए विभाग में जाने के बाद कर्मचारी नहीं सुनते हैं और रिश्वत मांगते हैं. इससे तंग आकर सुमिरती देवी तहसील दिवस में आक्सीजन सिलेंडर के साथ अपने पोते को लेकर पहुंचीं। पोते अनिल यादव ने उनको गोद में उठाकर रिक्शे पर बैठाया। उसके बाद तहसील दिवस में पहुंचकर एसडीएम को आवेदन दिया. सुमिरती देवी के आवेदन पर एसडीएम सदर मृणाली अविनाश जोशी ने तत्काल अधिकारियों से बात करके पेंशन बनाने के लिए निर्देश दे दिया है। एसडीएम के निर्देश के बाद सुमिरती देवी को पेंशन की उम्मीद जग गई है। उनका कहना है कि पेंशन लग जाने पर उनकी आर्थिक तंगी दूर होगी और वो अपना इलाज ठीक से करवा सकेंगी।

संपादकीय

भारत में आर्थिक अज्ञान का साया आज भी घना

फिर भी भारतीय की आर्थिक प्रगति का नैरेटिव पेश किया जाता है, तो उसे दुस्साहस ही कहा जाएगा। अगर इस कथानक को लोग स्वीकार करते हैं, तो उसका यही अर्थ माना जाएगा कि भारत में आर्थिक अज्ञान का साया आज भी घना है।वित्त वर्ष 2023-24 में कृषि पर निर्भर श्रमिकों की संख्या 25 करोड़ 90 लाख तक पहुंच गई। इसके पहले वाले वित्त वर्ष में ये 23 करोड़ 30 लाख थी। इस तरह 2017-18 से भारतीय अर्थव्यवस्था की पीछे की ओर शुरू हुई दौड़ ना सिर्फ जारी है, बल्कि उसकी रफ्तार और तेज हो गई है। इसे इसलिए पीछे की ओर दौड़ कहा गया है, क्योंकि हर विकसित अर्थव्यवस्था की दिशा यह रही है कि लोग रोजगार के लिए कृषि से उद्योग या सेवा क्षेत्र की ओर जाते हैं। विकसित होने का एक पैमाना यह दिशा भी है। आंकड़ों के मुताबिक 2004-05 से 2016-17 तक भारत भी इसी दिशा में बढ़ रहा था। उस दौरान कृषि पर निर्भर श्रमिकों की संख्या में छह करोड़ 60 लाख की गिरावट आई थी। उसके बाद दिशा बदल गई।यहां पर इस ओर ध्यान खींचना उचित होगा कि 2016 वह साल था, जब नोटबंदी लागू की गई। साल भर बाद उसके प्रभाव जाहिर होने लगे। उस वर्ष (2017-18) भारत में कृषि निर्भर मजदूरों की संख्या 19 करोड़ दस लाख थी। तब से ये तदाद लगतार बढ़ी है। अब तक इसमें कुल छह करोड़ 80 लाख की वृद्धि हो चुकी है। इस तरह यह साफ है कि 2004-05 से 2016-17 के बीच जो प्रगति हुई, वह पलट कर अब नकारात्मक हो चुकी है। यह भी रेखांकित करने का पहलू है कि इस दरम्यान जिन राज्यों में यह बढ़ोतरी सबसे ज्यादा हुई, वे उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार और राजस्थान हैं, जिन्हें कभी अपमान भाव के साथ बीमारू कहा जाता था। दूसरा ध्यान खींचने वाला पहलू यह है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर निर्भर श्रमिकों के बीच महिलाओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। भारतीय वर्क फोर्स में महिलाओं की स्थिति पहले भी बेहतर नहीं थी। मगर गुजरे सात वर्षों में यह बदतर होती गई है। इसके बावजूद भारतीय की आर्थिक प्रगति का नैरेटिव पेश किया जाता है, तो तथ्यों की रोशनी में उसे दुस्साहस ही कहा जाएगा। अगर इस कथानक को लोग स्वीकार करते हैं, तो उसका यही अर्थ होगा कि भारत में आर्थिक अज्ञान का साया आज भी घना है।

किसान दिवस पर आज विशेष

किसानों की बुलंद आवाज थे चौधरी चरण सिंह

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू,राजस्थान

देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह एक व्यक्ति नहीं विचारधारा थे। चौधरी चरण सिंह ने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की थी कि किसानों को खुशहाल किए बिना देश का विकास नहीं हो सकता। उनकी नीति किसानों व गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की थी। वो कहते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है। उन का कहना था कि भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। जिस देश के लोग भ्रष्ट होंगे वो देश कभी तरक्की नहीं कर सकता।

चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर 1902 को गाजियाबाद जिले के नूरपुर गांव के चौधरी मीर सिंह के घर हुआ था। बाद में उनका परिवार नूरपुर से जानी खुर्द गांव आकर बस गया था। 1928 में चौधरी चरण सिंह ने आगरा विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा लेकर गाजियाबाद में वकालत प्रारम्भ की। 1930 में महात्मा गांधी द्वारा नमक कानून तोडने के समर्थन में चरण सिंह ने हिण्डन नदी पर नमक बनाया जिस पर उन्हे 6 माह जेल की सजा हुई। 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में भी चरण सिंह गिरफ्तार किये गये। 1942 में अगस्त क्रांति के माहौल में चरण सिंह को गिरफ्तार कर डेढ़ वर्ष की सजा हुई। जेल में ही चौधरी चरण सिंह की लिखित पुस्तक शिष्टाचार भारतीय समाज में शिष्टाचार के नियमों का एक बहुमूल्य दस्तावेज है। चौधरी चरण सिंह खुद एक छोटे से गांव में एक किसान के घर जन्मे थे। बचपन से ही उन्होंने गांव के किसानों, गरीबों के दुखः दर्द को नजदीकी से देखा जाना था। इसलिये उन्हें उनकी समस्याओं का बखूबी अहसास था। उनको जब कभी कहीं मौका मिलता वे गांव के किसानों की सेवा करने से नहीं चूकते थे। उनके दिल में हमेशा गांव के किसान ही बसे रहते थे। चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त गांधी टोपी धारण कर महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी बने रहे। उन्होने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वो बहुत गंभीर रहते थे। उनका कहना था कि भारत का सम्पूर्ण विकास तभी होगा जब किसान,मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे। चौधरी चरण सिंह की गिनती हमेशा एक

ईमानदार राजनेता के तौर पर की जाती है। उन्होंने जीवन पर्यन्त किसानों की सेवा को ही अपना धर्म माना और अपने अंतिम समय तक देश के गांव में रहने वाले किसानों, गरीबों, दलितो, पीड़ितों की सेवा में ही पूरी जिंदगी गुजारी। चौधरी चरण सिंह जाति प्रथा के कट्टर खिलाफ थे। आज देश के किसान कर्ज में डूबे हुये हैं। उनको उनकी उपज का पूरा दाम नहीं मिल पाता है। अपनी खराब आर्थिक स्थिति के चलते देश में बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो रहें हैं। केन्द्र व राज्य सरकारें भी किसानो के भले की योजनायें बना पाने में नाकाम रही है। चुनाव के समय राजनीतिक पार्टियां किसानो को झांसा देकर उनके वोट बटोर लेती है। फिर किसी का ध्यान किसानो की समस्याओं के समाधान करने की तरफ नहीं जाता है। ऐसे में आज देश के किसानो को चौधरी चरणसिंह जैसे सच्चे किसान हितैषी नेता की जरूरत है। जो उनके हक में खड़ा होकर किसानो की आवाज बुलन्द कर सके व उनका वाजिब हक दिला सके। चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति में एक बड़े नेता थे। मगर इंदिरा गांधी के सहयोग से कुछ समय के लिये देश के प्रधानमंत्री बन कर उन्होने देश में पहली बार कांग्रेस के खिलाफ बने एक मजबूत गठबंधन को तोड़ा था। उससे उनकी प्रतिष्ठा को भी गहरा आघात पहुंचा था। चौधरी चरण सिंह को 1951 में उत्तर प्रदेश सरकार में न्याय एवं सूचना विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया गया। 1952 में डॉक्टर सम्पूर्णानंद के मुख्यमंत्रित्व काल में उन्हें राजस्व तथा कृषि विभाग का दायित्व मिला। एक जुलाई 1952 को उत्तर प्रदेश में उनके बदौलत जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ और गरीबों को खेती करने के अधिकार मिले। 1954 में उन्होने किसानों के हित में उत्तर प्रदेश भूमि संरक्षण कानून को पारित कराया। चरण सिंह स्वभाव से भी कृषक थे तथा कृषक हितों के लिए अनवरत प्रयास करते रहे। 1960 में चंद्रभानु गुप्ता की सरकार में उन्हें गृह तथा कृषि मंत्री बनाया गया। उत्तर प्रदेश के किसान चरण सिंह को अपना रहनुमा मानते थे। उन्होंने कृषकों के कल्याण के लिए काफी कार्य किए। लोगों के लिए वो एक राजनीतिज्ञ से ज्यादा सामाजिक कार्यकर्ता थे। उनके भाषण को सुनने के लिये उनकी जनसभाओं में भारी भीड़ जुटा करती थी।

किसानो में चौधरी साहब के नाम से मशहूर चौधरी चरण सिंह 3 अप्रैल 1967 में पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। तब 1967 में पूरे देश में साम्प्रदायिक दंगे होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में कहीं पत्ता भी नहीं हिल पाया था। 17 फरवरी 1970 को वे दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। अपने सिद्धांतों से उन्होने कभी समझौता नहीं किया। 1977 में चुनाव के बाद जब केन्द्र में जनता पार्टी सत्ता में आई तो मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने और चरण सिंह को देश का गृह मंत्री बनाया गया। केन्द्र में गृहमंत्री बनने पर उन्होंने अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की। 1979 में वे उप प्रधानमंत्री बने। बाद में मोरारजी देसाई और चरण सिंह के मतभेद हो गये। 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक चौधरी चरण सिंह समाजवादी पार्टियों तथा कांग्रेस के सहयोग से भारत के पांचवें प्रधानमंत्री बने।

चौधरी चरण सिंह एक कुशल लेखक भी थे। उनका अंग्रेजी भाषा पर अच्छा अधिकार था। उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन भी किया। 29 मई 1987 को 84 वर्ष की उम्र में जब उनका देहान्त हुआ तो देश के किसानो ने सरकार में पैरवी करने वाला अपना नेता खो दिया था। लोगों का मानना था कि चरण सिंह से राजनीतिक गलतियां हो सकती हैं लेकिन चारित्रिक रूप से उन्होंने कभी कोई गलती नहीं की। इतिहास में उनका नाम प्रधानमंत्री से ज्यादा एक किसान नेता के रूप में जाना जाता है। चौधरी चरण सिंह ने ही भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे पहले आवाज बुलन्द करते हुये आह्वान किया था कि भ्रष्टाचार का अन्त ही देश को आगे ले जा सकता है। अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार ने 2001 में हर वर्ष 23 दिसम्बर को चौधरी चरण सिंह की जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाने की जो परम्परा शुरू की थी उससे जरूर उनको साल में एक दिन याद किया जाने लगा है। आज किसानो कि हालात को देखकर चौधरी चरणसिंह जैसे देश के बड़े किसान नेता की याद आना स्वाभावित ही है। मौजूदा समय में चौधरी चरणसिंह जैसा नेता होता तो किसानो को उनका वाजिब हक मिलने से कोई नहीं रोक सकता था। चौधरी चरण सिंह जैसे किसानो के बड़े नेता द्वारा किसानो के हित में किये गये कार्यो को देखते हुये वर्षो पूर्व ही उनको भारत रत्न सम्मान मिलना चाहिये था। मगर सरकारों की अनदेखी के चलते उनको वर्षो तक उचित सम्मान नहीं मिल पाया। नरेन्द्र मोदी सरकार ने चौधरी चरण सिंह जैसे सच्चे बड़े व सच्चें किसान नेता को भारत रत्न प्रदान कर सच्ची श्रृद्धांजलि अर्पित की है। इससे देश के करोड़ों किसानों के साथ ही सरकार का भी सम्मान बढ़ा है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

अब सब विपक्षी दल वापस एकजुट होने लगे

कांग्रेस और सभी विपक्षी दल इस मुद्दे को छोड़ेंगे नहीं। इंडिया गठबंधन वापस एकजुट होने लगेगा। मगर अमित शाह ने अंबेडकर का मुद्दा ऐसा दिया कि अब सब विपक्षी दल वापस एकजुट होने लगे हैं। बुधवार को संसद में अमित शाह के खिलाफ प्रदर्शन में सब शामिल हुए। राहुल के जाति गणना मुद्दे को भी इससे बल मिलेगा। जाति गणना का सबसे बड़ा फायदा ओबीसी को मिलने वाला है। दलित की आदिवासी की संख्या तो सबको मालूम है।वन नेशन वन इलेक्शन' का हेडलाईन मेनेजमेंट एक दिन भी नहीं चल सका। भाजपा राहुल की पिच पर फंस गई। मंगलवार की सुबह सारे चुनाव एक साथ का बिल लोकसभा में पेश हुआ और उसी दिन शाम को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में यह कहकर कि एक नया फैशन चला है अंबेडकर अंबेडकर अंबेडकर . ..! अगर इतना नाम भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। राहुल गांधी ने लपक कर इस बात को सही साबित कर दिया कि भाजपा के मन में डा. आंबेडकर और संविधान के लिए कोई सम्मान नहीं है।अमित शाह की टिप्पणी के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने, जिन्होंने एक दिन पहले संविधान पर बोलते हुए ही कहा था कि आरएसएस और भाजपा तिरंगे, अशोक चक्र और संविधान से नफरत करती है एक कदम और आगे बढ़ाते हुए कहा कि आंबेडकर से भी नफरत करती है।बुधवार को विपक्ष के सासंदों ने संसद परिसर में अमित शाह माफी मांगों के नारों के साथ प्रदर्शन किया। और उसके बाद अंदर जाकर दोनों सदनों में इस मांग को जोरदार तरीके से उठाया। मोदी सरकार के लिए यह बड़ी मुश्किल आ गई। अभी संविधान पर चर्चा के दौरान उनका सारा फोकस इस बात पर था कि कांग्रेस ने अंबेडकर को पर्याप्त सम्मान नहीं दिया। मगर अब उसके उपर ही बाबा साहब अंबेडकर के अपमान का सीधा आरोप आ गया है।अंबेडकर देश के 20 प्रतिशत दलितों के लिए वाकई भगवान का दर्जा रखते हैं। वह उनका संविधान ही है जिसने आरक्षण के जरिए उनके बड़े वर्ग को पीढ़ीगत काम से निकालकर शहरी मध्यम वर्ग बनाया। शिक्षा में वजीफा, उनके लिए अलग बनाए गए होस्टल, उच्च शिक्षा में आरक्षित सीटें और फिर नौकरी में आरक्षण ने 75 सालों में वह कर दिखाया जो पहले कोई सोच भी नहीं सकता था। इसके साथ लोकसभा, विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव में आरक्षण ने उन्हें राजनीतिक रुप से मजबूत बनाया। नौकरी के आरक्षण ने आर्थिक ताकत के साथ सामाजिक हैसियत और चुनाव प्रणाली में आरक्षण से सत्ता में भागीदारी दी।पांच हजार साल तक अछूत बने रहने वाले सारे मानवीय अधिकारों से वंचित देश के इस समुदाय के लिए बाबा साहब आंबेडकर भगवान नहीं तो और क्या हैं? कांग्रेस और समूचे विपक्ष को यह एक बहुत बड़ा मुद्दा मिल गया है। खरगे का सवाल है कि क्या अंबेडकर का नाम लेना गुनाह है? खुद दलित समुदाय से आने वाले खरगे ने कहा कि अमित शाह का राज्यसभा में संविधान पर बोलते हुए सवाल था कि क्या अंबेडकर बहुत बड़े आदमी थे? जो अंबेडकर, अंबेडकर करते हो !कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि उनके इस बयान से देश में आग लग जाएगी। उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। और देश से माफी मांगना चाहिए। अंबेडकर दलितों आदिवासियों के भगवान हैं। कांग्रेस महासचिव और खुद दलित समाज से आने वाली कुमारी सैलजा ने कहा कि संविधान हमारा सबसे बड़ी किताब है और बाबा साहब अंबेडकर हमारे भगवान।दलितों की तरह आदिवासी भी डा. आंबेडकर को अपना उद्धारक मानते हैं। और अन्य पिछड़ा समुदाय ओबीसी जिसकी आबादी 50 प्रतिशत के करीब है भी डा अंबेडकर के सामाजिक न्याय के सिद्धांत का बड़ा लाभार्थी समूह है। दलित 20 प्रतिशत, आदिवासी 9 प्रतिशत और लगभग 50 प्रतिशत के आसपास ओबीसी इतना बड़ा समूह देश का अंबेडकर के विचारों और उनके बनाए संविधान से लाभान्वित हुआ है।

-शकील अख्तर-

झूठ,दिखावा,भ्रामकता के शिकंजे में उपभोक्ता

डॉ. प्रितम भि.गेडाम
मुंबई महाराष्ट्र

ग्राहक धोखाधड़ी ऐसी समस्या है जिसका जाने-अनजाने में हम नित्य शिकार होते है, लेकिन बहुत बार हम जानकर भी अनसुना करते है, या ज्यादा गंभीरता नहीं दर्शाते, परंतु इसका बहुत गहरा प्रभाव होता है और जानमाल का नुकसान होकर संपूर्ण अर्थव्यवस्था प्रणाली को आघात पहुँचता है। आम इंसान के रोजमर्रा के उपयोग में आनेवाली चीज वाहन का ईंधन है। पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमत और मापन पर संदेह हमेशा आम जनता को परेशान करते हैं। अनेक पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भरवाने के बाद वहां गाड़ी के टायरों में हवा भरवाते वक्त कर्मचारी हवा चेक करने के लिए पैसे लेते हैं, जबकि पेट्रोल की कीमत में कुछ सेवाएं मुफ्त दी जाती है, जैसे शौचालय का प्रयोग, पिने का पानी, टायरों में मुफ्त हवा, इंधन के गुणवत्ता और मात्रा की जांच, प्राथमिक चिकित्सा किट, शिकायत पुस्तिका, आपातकालीन कॉल। इन सेवाओं का चार्ज पेट्रोल विक्रेता के कमीशन में जोड़कर ही हमें पेट्रोल बेचा जाता हैं। यह सेवाएं पेट्रोल पंप पर मिलना अनिवार्य है अन्यथा ग्राहक सेवा में अवरोध निर्माण करने के लिए ऐसे पंपो के विरुद्ध शिकायत दर्ज की जा सकती है।

भारत में हर साल 24 दिसंबर को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है। उपभोक्ता अधिकार अधिनियम 24 दिसंबर 1986 को भारत के राष्ट्रपति द्वारा पारित किया गया था। तभी से 24 दिसंबर को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के रूप में मनाया जाता है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अनुसार, प्रत्येक भारतीय उपभोक्ता को सुरक्षा, सूचना, विकल्प, कहना, शिकायत व निवारण और उपभोक्ता अधिकार शिक्षा जैसे छह अधिकार मिले हैं। हम आधुनिक दुनिया के उस पड़ाव पर आ चुके है जहां हर ओर अंधाधुंद भागदौड, प्रतिस्पर्धा, टकराव नजर आता है। उत्पादों के केवल ऊपरी आवरण को खूबसूरत बनाकर बेचने का चलन चल पड़ा है। ग्राहक भी समय और पैसों की बचत की खातिर क्वालिटी के बजाय क्वांटिटी को प्राथमिकता देता है,परंतु जो पैसे खर्च हो रहे है उस मुताबिक उत्पाद ग्राहक को मिल रहे है?

आज के समय में मिलावटखोरी और उत्पाद की निम्न गुणवत्ता अपने उच्च स्तर पर है, आज के समय में किसी भी उत्पाद की गारंटी बड़ी मुश्किल है। एक दशक पहले वाहन, यंत्र, यांत्रिक साधन, घरेलू उपकरण या उनके पार्ट्स गारंटी से ज्यादा बरसों तक चलते हमने देखा है, लेकिन अभी ऐसे कमजोर उत्पाद बन रहे है जैसे उनका कोई भविष्य ही न हो। महंगाई के हिसाब से उत्पादों के दाम तो आसमान छूते है पर गुणवत्ता के नाम पर वे कहीं नहीं टिकते, कुछ समय में ही उत्पाद भंगार बन जाते है। पहले ग्राहकों को सीमित साधनों में गुणवत्ता मिलती थी, अब मार्केट में उपलब्ध असीमित साधनों में से गुणवत्ता ढूंढने पर भी नजर नहीं आती। देशभर में साइबर अपराध तो अभी अपने चरम पर है, रोजाना ढेरों केस देखने-सुनने को मिलते है, हमें एसएमएस द्वारा फेक वेबसाइट की लिंक भेजी जाती है, अनेक फेक कॉल, ईमेल आते है, व्हाट्सएप पर भी देश-विदेश के नये-नये नंबर से मैसेज आते है। हमारी डिजिटल गतिविधियों की जानकारी रिकॉर्ड होती है, इस डिजिटल युग में हमारी निजी जानकारी दुनियाभर में फैली है। आजकल डिजिटल अरेस्ट की घटनाएं भी बहुत होने लगी है। साइबर धोखाधड़ी की घटनाओं की संख्या वित्त वर्ष 2023 में 75,800 मामलों के साथ हानि की राशि 421.4 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 2,054.6 करोड़ राशि हो गई। 2024 के पहले चार महीनों में, भारतीयों को साइबर अपराधियों के कारण 1,750

करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ,राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर 740,000 शिकायतें दर्ज की गईं। 76,000 फर्जी वेबसाइटों के जरिए 8 लाख से ज्यादा लोग ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हुए हैं। नए तरीकों का इस्तेमाल करने वाले स्कैमर्स के कारण ऑनलाइन धोखाधड़ी बढ़ रही है।

सभी सोशल मीडिया ने अपनी गुणवत्ता और विश्वसनीयता को बनाये रखने के लिए कड़े नियम बनाये है, फिर भी योग्य रूप से क्रियान्वयन नहीं किया जा रहा है। बहुत बार देखा गया है कि सामान्य लोगों की अच्छी पोस्ट को स्कैम का नाम देकर उसे डिलीट किया जाता है और झूठे विज्ञापनों, अनुचित पोस्ट से सोशल मीडिया भरा रहता है। ऑनलाइन कोई भी उत्पाद खोजते समय फ्रॉड वेबसाइट भी नजर आते है, जिस पर उत्पाद की झूठी कीमत दर्शाकर ग्राहकों को खुलेआम लुटा जाता है। ऐसे झूठे ई-कॉमर्स वेबसाइट पर बैन क्यों नहीं लगता? लोग अक्सर ऐसे वेबसाइट के भ्रामक विज्ञापन और सस्ते कीमत के चलते फंस जाते हैं।

जान बचाने वाली दवाएं भी अब जान लेने वाली बन गयी है, ग्राहक ने किस पर भरोसा करना किस पर नहीं? हाल ही में एशिया के बड़े अस्पतालों में शुमार नागपुर के सरकारी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में हजारों मरीजों को नकली दवा बाँटी गयी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, नकली दवाएं दुनिया के दवा व्यापार का 10 प्रतिशत हिस्सा बनाती है, नकली दवाओं का वैश्विक बाज़ार 200 बिलियन डॉलर का है और इनमें से 67 प्रतिशत नकली दवाओं को मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक माना जाता है। भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुमान के अनुसार, भारत में 5 प्रतिशत दवाएं नकली हैं। एसोचैम के 2022 में किये गए एक अध्ययन के अनुसार भारत में 25 प्रतिशत दवाएँ नकली या अत्यंत निम्न दर्जे की हैं।

क्रिसिल और ऑथेंटिकेशन सॉल्यूशन प्रोवाइडर्स एसोसिएशन की एक संयुक्त रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में बिकने वाले सभी उत्पादों में से लगभग 25-30 प्रतिशत नकली उत्पाद हैं, नकली सामान परिधान 31 प्रतिशत, एफएमसीजी 28 प्रतिशत, और ऑटोमोटिव 25 प्रतिशत में सबसे अधिक प्रचलित है, ये शीर्ष खंड हैं जहां उपभोक्ताओं को नकली उत्पाद मिलते हैं,इसके बाद फार्मास्यूटिकल्स 20 प्रतिशत, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं 17 प्रतिशत, कृषि रसायन 16 प्रतिशत है। फिक्की अनुसार, दवा, मसाले, शिशु आहार, मिनरल वाटर, सॉफ्टवेयर, सिगरेट, शराब, सोने के बिस्कुट और विलासिता के सामान सहित अधिकांश उत्पाद श्रेणियों में नकली उत्पाद पाए जा सकते हैं। फिक्की कैस्केड की रिपोर्ट है कि नकली उत्पादों के जालसाजी के कारण करों में वार्षिक हानि अरबों रुपये में होने का अनुमान है। नकली ऑटो पार्ट्स सड़क दुर्घटनाओं में 20 प्रतिशत का योगदान देते हैं और भारत में बिकने वाली हर तीन एंटीबायोटिक दवाओं में से एक नकली है। हम कभी देसी घी, शहद, केसर जैसे खाद्यपदार्थ भी खरीदते है तो लोग कहते है कि शुद्ध नहीं खरीदा होगा, मतलब लोगों को मार्केट के मिलावटखोरी पर हमसे ज्यादा यकीन हैं।

इन सभी समस्याओं पर केवल हमारी जागरूकता और तत्परता ही अंकुश लगा सकती हैं। सेवा, टिकट, गहने या कोई भी वस्तु की खरीदी हों, उपभोक्ता अधिकार के प्रति सचेत रहें। उत्पाद खरीदते वक्त सरकार द्वारा निर्देशित नियमों का कड़ाई से पालन करें। कोई भी उत्पाद लेने से पहले सोचें-समझें, उत्पाद पर प्रकाशित सुचना पढ़ें, प्रमाणित केंद्र से ही उत्पाद जांच परखकर खरीदें। उत्पाद का पक्का बिल लें। भ्रामक विज्ञापनों के उत्पाद खरीदने से बचें। उत्पाद संबंधी समस्या होने पर विक्रेता से बात करें, अगर निर्धारित नियम अनुसार विक्रेता सहायता नहीं करता है, तो ऐसी स्थिति में सरकार हमारी मदद के लिए तैयार हैं। भारत सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग मंत्रालय के इस वेबसाइट पर जाकर https://consumer-helpline.gov.in/public/ ग्राहक ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकते है। राष्ट्रीय ग्राहक हेल्पलाइन 1800114000 या 1915 नंबर पर कॉल कर सकते हैं। व्हाट्सएप से भी संपर्क कर सकते हैं, 880000 1915 नंबर पर मैसेज भेज सकते हैं। एनसीएच या उमंग एप्प डाउनलोड करके भी वहां से मदद पा सकते हैं। साइबर धोखाधड़ी होने पर राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल www.cyber-crime.gov.in या साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें। उपभोक्ता न्यायालय विशेष रूप से उपभोक्ता अधिकार संरक्षण के लिए हैं। सभी मंत्रालय, विभिन्न विभाग, रेलवे, रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया अपने-अपने क्षेत्र के उपभोक्ताओं को शिकायत होने पर न्याय देने हेतु कटिबद्ध है, इसके अलावा भी अनेक स्वयंसेवी संगठन संस्थान, फोरम एवं इत्यादि ग्राहक सेवा हेतु मदद करते हैं।

एक देश,एक चुनाव का आइडिया भी ठीक नहीं

देश में हर साल चुनाव हो या हर छह महीने पर चुनाव हो यह सचमुच अच्छी बात नहीं है।लेकिन इसे रोकने के लिए एक देश, एक चुनाव' का आइडिया भी ठीक नहीं है। इसका मतलब है कि हर छह महीने पर चुनाव की मौजूदा प्रक्रिया चलती रहे यह भी ठीक नहीं है और सारे चुनाव एक साथ कराए जाएं, यह विचार भी अच्छा नहीं है।इसलिए बीच का रास्ता निकालना सबसे अच्छी बात होगी। बीच का रास्ता क्या हो सकता है, उस पर विचार से पहले यह स्पष्ट करना जरूरी है कि भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश में एक बार में सारे चुनाव कराने का विचार लोकतंत्र की बुनियादी भावना और संघवाद की धारणा को कुछ न कुछ जरूर प्रभावित करेगा।भले यह लोकतंत्र या संघवाद के पूरी तरह खिलाफ नहीं हो लेकिन इन दोनों सिद्धांतों पर इसका निश्चित असर होगा।अगर सारे चुनाव एक साथ होते हैं तो संचार तकनीक के मौजूदा दौर में प्रदेशों के और विधानसभा स्तर के स्थानीय मुद्दे गौण हो जाएंगे। उसकी बजाय राष्ट्रीय मुद्दे अहम हो जाएंगे।अभी ही नरेंद्र मोदी से लेकर अरविंद केजरीवाल तक अनेक नेता ऐसे हैं, जो कहते हैं कि हर सीट पर वे ही चुनाव लड़ रहे हैं। यानी मतदाताओं को उम्मीदवार नहीं देखना चाहिए और नेता का चेहरा देख कर वोट करना चाहिए।एक देश, एक चुनाव' की स्थिति

में यह विचार प्रमुखता पा जाएगा। उससे स्थानीय मुद्दों के साथ साथ स्थानीय नेताओं का महत्व भी कम होगा और छोटे छोटे काम कराने में भी आम लोगों को परेशानी होगी।इसके अलावा कई और व्यावहारिक समस्याएं आएंगी। जैसे समय से पहले लोकसभा या किसी राज्य की विधानसभा भंग होने पर वहां बची हुई अवधि के लिए चुनाव कराना होगा। इससे बार बार चुनाव की संभावना तो बनी ही रहेगी और साथ ही चुनाव खर्च में कटौती का तर्क भी ध्वस्त हो जाएगा।एक साथ चुनाव कराने से पहले लोकसभा के कार्यकाल के साथ राज्यों की विधानसभाओं की एकरूपता बनाना भी एक बड़ी तकनीकी कवायद होगी।तभी एक देश, एक चुनाव' के भारी भरकम कवायद में पडने् की बजाय मौजूदा प्रक्रिया में सुधार करके इसे बेहतर बनाया जा सकता है। हैरानी की बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 10 साल से ज्यादा समय से एक देश, एक चुनाव' की बात कर रहे हैं लेकिन हर साल या हर छह महीने पर होने वाले चुनाव की प्रक्रिया को बदलने के लिए उन्होंने कोई ठोस पहल नहीं की।अगर सरकार और चुनाव आयोग चाहते तो अब तक देश में चुनाव की प्रक्रिया पटरी आ चुकी होती। हर छह महीने में चुनाव कराने की जरुरत ही नहीं रह जाती।

-अजीत द्विवेदी-

कविता
मैं भोले से कहता

घटती-घटना
कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी
गांधीनगर,इंदौर,मध्यप्रदेश

मैं भोले से कहता रहता,
बिन भोले मैं,मैं ना रहता,
सांझ-सवेरे पल-छिन भोले,
बस तेरी मैं अलख जगाता।
मैं भोले से कहता ...
सफर कैसा-भी दुर्गम भोले,
बस पल भर में कट जाता,
भोले की छवि मन में बसे तो,
सब सतरंगी हो जाता।
मैं भोले से कहता ....
नमो शिवाय नमो शिवाय,
कहअपना मन जो बहलाता,
भोले की महिमा से मंडित,
हो कर मैं मन भर मुस्काता।
मैं भोले से कहता ...
भोले-भोले की राग मोहिनी,
अपना सब को कर लेती है,
भटक रहा जो पथ से अपनें,
उसका मन हर लेती है।
मैं भोले से कहता ....
साम-दाम और दंड-भेद में,
मानव का जीवन कटता,
जो भोले की शरण में जाता,
वो अपना जीवन तरता।
मैं भोले से कहता ....

कविता
जिंदगी उधारी से चलती नहीं

घटती-घटना
मोनिका डागा आनंद
चेन्नई तमिलनाडु

दुआएं इकट्ठा करो साहब,
सांसों का अता पता है नहीं,
कब आ जाए उसका बुलावा,
ख़बर ये किसी को भी नहीं ।
सचेत हो तुम कर्मो को करो,
इस जिंदगी की गारंटी नहीं,
चौरासी लाख योनियों में से,
मनुष्य ही बनो यह ज़रूरी नहीं ।
ईश्वर सबका हिसाब है रखता,
करों तुम ज्यादा चालकी नहीं,
फिर पश्चाताप का प्रयास करो,
पर शायद हो उसे मंजूर नहीं ।
प्रार्थनाएं तो करते हो बहुत,
पर वह फलीभूत होती नहीं,
माया से घिरे चितमन से परे,
भक्ति कभी स्वीकार होती नहीं ।
दिखावे से बाहर तुम निकलो
जिंदगी उधारी से चलती नहीं,
आनंद आत्म सुख भाव भरो,
दोबारा यह बंदगी मिलती नहीं ।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

दैनिक घटती-घटना खबर का बड़ा असरः 9 जुआरी 6 लाख 32 हजार 500 रूपए के साथ गिरफ्तार

» जुआ फड़ संचालक एस कुमार इस बार फिर नही चढ़ा पुलिस के हत्थे

» सूरजपुर पुलिस का जुआरियों पर बड़ा प्रहार, जंगल में जुआ खेलते 9 अंतर्राज्जीय जुआड़ी गिरफ्तार,06 लाख,32 हजार 500 रूपये, मोबाईल, बाईक व कार किया जप्त

» दैनिक घटती-घटना ने जहां बताया था वही से पकड़े गए जुआरी घटती-घटना की खबर एक बार फिर निकली सत्य...

-जिला प्रतिनिधि-
सूरजपुर,22 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

दैनिक घटती-घटना की खबर एक बार फिर सत्य साबित हुई, दैनिक घटती-घटना ने 21 दिसंबर को बड़ी प्रमुखता के साथ खबर प्रकाशित करके बताया था कि सूरजपुर के रामकोला थाने के अंतर्गत बड़ा जुआ फड़ संचालित हो रहा है, जिस पर सूरजपुर पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए 9 जुआरी को पकड़ा जिसमें 6 लाख 32 हजार 500 रूपए जप्त किए गए, इस कार्रवाई से एक बार फिर यह साबित हो गया की घटती-घटना को जो जानकारी मिलती है तो वह सत्य के करीब होती है उसी को ही प्रकाशित किया जाता है, वैसे इस पूरी कार्यवाही को लेकर सूरजपुर पुलिस अधीक्षक की तारीफ होनी चाहिए, जिन्होंने खबर पर संज्ञान लेते हुए तत्काल इस पर कार्यवाही कराई और अवैध कारोबार को लेकर सूरजपुर पुलिस अधीक्षक काफी सख्त दिख रहे हैं, अशफाक उल्लाह का मामला हो या फिर अन्य अवैध कारोबार का सभी पर वह अंकुश लगाने का प्रयास कर रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार जिले की पुलिस ने 09 अंतर्राज्जीय जुआडियों को जंगल में रेड मारकर धर दबोचा है। इनके पास से 6 लाख 32 हजार 5 सौ रूपये बरामद की गई है। मामला जिले के थाना रमकोला क्षेत्र के ग्राम खोड़ जंगल का है। जुआ खेलने की सूचना को तत्काल संज्ञान में लेते हुए टीम गठित कर जंगल भेजा गया था। एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर जिले की पुलिस अवैध कार्यों के विरूद्ध सजगता से लगातार कार्यवाही करने में लगी हुई है। इसी बीच दिनांक 21.12.2024 के रात्रि में थाना रमकोला पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि खोड़ जंगल में कई जुआड़ी हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे है। सूचना से

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
घटती घटना
कोरिया-सूरजपुर-समाचार
अम्बिकापुर, शनिवार 21 दिसम्बर 2024 5

पटना क्षेत्र से एस कुमार नाम के व्यक्ति का जुआ फड़ सूरजपुर के रमकोला हुआ ट्रांसफरः सूत्र

जुआरियों को जुआ खेले बिना नहीं है चैन राष्ट्रीय नहीं अंतरराष्ट्रीय खेलना व खिलवाना चाहते हैं जुआ एस कुमार?

अब सूरजपुर पुलिस को भी जुआरियों पर करनी होगी कार्यवाही जिससे सूरजपुर जिले में भी जुआ संचालन पर लगे रोक

कोरिया में छपी खबर तो जुआ खिलवाने का परमिशन हुआ खत्म...जुआरियों ने किया सूरजपुर के रमकोला का रुख

बिना जुआ फड़ संचालित किए नहीं रह सकता एस कुमार?

साल भर जुआ फड़ संचालित करने माद्दा रखता है एस कुमार

एस कुमार के जुआ फड़ पर अंतरराज्जीय जुआरी लगाते हैं अपना दाव

एसएसपी सूरजपुर को अवगत कराने पर उन्होंने थाना रमकोला की एक बड़ी पुलिस टीम गठित कर पूर्ण सावधानी के साथ भेष बदलकर मौके पर जाकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। पुलिस टीम ग्रामीणों का भेष धारण कर पैदल चलकर मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़-झारखण्ड के बार्डर ग्राम खोड़ जंगल पहुंची और रेड कार्यवाही कर 9 लोगों को जुआ खेलते रंगे हाथों धर दबोचा, जुआड़ियों के पास व जुआ फड़ से 6 लाख 32 हजार 5 सौ रूपये जप्त किया गया। मौके से जुआड़ियों के 9 नग मोबाईल, 6 नग मोटर सायकल एवं 1 नग कार भी जप्त किया गया है। मामले में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3(2) के तहत कार्यवाही कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

एक बार फिर जुआ फड़ संचालक एस कुमार पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ा...

ज्ञात हो कि एस कुमार जुआ फड़ संचालक है जो काफी लंबे समय से जुआ संचालित करता आ रहा है, जिसे लेकर वह काफी सुर्खियों में रहता है एक बार फिर कार्यवाही में वह बच निकला, उम्मीद थी कि एस कुमार भी जुआ की कार्यवाही में पकड़ा जाएगा पर वह काफी किस्मत वाला था कि पुलिस के चंगुल में नहीं फंसा ना जाने कैसे निकल गया।

एस कुमार को किस थाना प्रभारी ने पत्रकार को मारने की दी अनुमति?

विशेष सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एस कुमार को अपना जुआ फड़ संचालन को लेकर काफी दिक्कत आ रही है क्योंकि लगातार खबर प्रकाशित हो रही है और वह पत्रकार को अपने प्रलोभन की जाल में फंसा नहीं पा रहा, जिस वजह से वह इतना आग बबूला हो गया है कि वह किसी के सामने यह कहता फिर रहा है कि पत्रकार तो बिकेगा नहीं अब उसे किसी थाना प्रभारी ने हाथ पैर तोड़ने की अनुमति दे दी है, अब वह पत्रकार का हाथ पैर तोड़ेगा...! अब देखना यह है कि इस घटना को एस कुमार के द्वारा कब अंजाम दिया जाता है?

पकड़े गए आरोपी

(1) आजेश कुमार साहू पिता रामलगन साहू उम्र 34 वर्ष ग्राम जैतपुर, थाना विन्ध नगर, जिला सिंगरौली मध्यप्रदेश (2) अनिल कुमार पिता रामबिलास कलार उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम रघुनाथनगर, थाना रघुनाथनगर, जिला बलरामपुर (3) मोहम्मद जमीर पिता स्व. सलीमद्दीन उम्र 50 वर्ष निवासी बैकुण्ठपुर, थाना बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया (4) शंकर दुसाद पिता अयोध्या दुसाद उम्र 52 वर्ष निवासी ग्राम जयंत, थाना बिंधनगर, जिला सिंगरौली मध्यप्रदेश (5) गुलाब चंद जायसवाल पिता स्व. मकरध्वज उम्र 45 वर्ष ग्राम रमेशपुर, थाना रघुनाथनगर, जिला बलरामपुर (6) अंबाली केश्वर पिता स्व. बाबुलाल जायसवाल उम्र 51 वर्ष निवासी ग्राम उरती, थाना बैढ़न जिला सिंगरौली मध्यप्रदेश (7) प्रदीप कुमार जायसवाल पिता रामबिलास उम्र 53 वर्ष ग्राम रघुनाथनगर, जिला बलरामपुर (8) उमेश कुमार साहू पिता जल्लू साहू उम्र 34 वर्ष ग्राम मलिया, थाना मलिया, जिला सीधी मध्यप्रदेश (9) अवध कुमार गुर्जर पिता स्व. जगदीश प्रसाद उम्र 52 वर्ष निवासी ग्राम आसंदी, थाना रघुनाथनगर, जिला बलरामपुर।

कार्यवाही में शामील पुलिस टीम

कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी प्रतापपुर नंदिनी ठाकुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रमकोला हीरालाल साहू, एएसआई विनोद सिंह, प्रधान आरक्षक संजय राजपूत, आरक्षक जीवन राम, रामा कुमार, सुनील सिंह, करन सिंह, रामप्रसाद व ईश्वर प्रसाद सक्रिय रहे।

सड़क हादसे में दंपति व मासूम बेटे की मौत,क्रिसमस मनाने जा रहे थे घर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

एक परिवार की क्रिसमस की खुशियां मातम में बदल गई। शनिवार की देर रात नेशनल हाइवे पर रघुनाथपुर के पास सडक़ हादसे में पति-पत्नी व मासूम बच्चे की मौत हो गई। पति-पत्नी अपने 7 वर्षीय बेटे को क्रिसमस की छुट्टी होने पर अंबिकापुर से घर ले जा रहे थे।

लुंड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम सिलसिला निवासी राजेश खेस्स 31 वर्ष का पुत्र शुभम खेस्स 7 वर्ष अंबिकापुर के ग्राम खैरबार में अपनी मौसी पूजा केरकेट्टा के घर रहकर सेंट मैरी स्कूल में पढ़ाई करता था। इन दिनों क्रिसमस व ठंड की छुट्टियां हो गई हैं। ऐसे में राजेश खेस्स अपनी पत्नी ईश्वरी 28 वर्ष के साथ शनिवार की दोपहर अंबिकापुर में बेटे शुभम को लेने पहुंचे थे। रात करीब 10.30 बजे तीनों बाइक से घर जाने के लिए निकल गए। इसी बीच शहर से करीब 15 किमी दूर अंबिकापुर-रायगढ़ नेशनल हाइवे पर रघुनाथपुर के जायसवाल होटल के सामने तेज रफ्तार बोलेरो क्रमांक सीजी 13 यूजी 4617 ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों सिर के बल सडक़ पर जा गिरे। हादसे में राजेश व शुभम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल पत्नी ने इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रात करीब 1.45 बजे दम तोड़ दिया। सडक़ हादसे की सूचना मिलते ही रघुनाथपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और पति-पत्नी व पुत्र को मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। यहां जांच पश्चात डॉक्टरों ने पिता-पुत्र को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल ईश्वरी का इलाज शुरु किया गया। लेकिन देर रात उसकी भी मौत हो गई। रविवार की सुबह पीएम पश्चात पुलिस ने तीनों का शव उनके परिजनों को सौंप दिया। मृतक राजेश अपनी पत्नी के साथ खैरबार में बेटे शुभम को लेने आए थे। उन्होंने साथ में खुशी-खुशी क्रिसमस पर्व मनाने का कार्यक्रम बनाया था, लेकिन उन्हें क्या पता था कि उनके साथ बड़ा हादसा हो जाएगा। उनकी क्रिसमस की खुशियां मातम में बदल गई। तीनों की मौत से ग्राम सिलसिला में भी मातम पसरा हुआ है।

देर रात तक चला पुलिस का कॉम्बिंग गश्त, बेवजह घूम रहे लोगों को हिदायत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा शनिवार की रात कॉम्बिंग गश्त चलाया गया। इस दौरान 116 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी शहर के विभिन्न चौक-चौराहों सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर सघन जांच की। इस दौरान पुलिस ने लुक छिपकर रहे रहे 7 स्थाई वारंटी, 2 गिरफ्तारी वारंटी के खिलाफ कार्रवाई की है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो ने कॉम्बिग गश्त बारे में बताया कि शहर के थाना/चौकी क्षेत्रों में पुलिस टीम द्वारा रात 11.30 बजे से चेकिंग अभियान की शुरुवात की गई जो देर रात तक चली। इस दौरान पूर्व में आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त संदेहियों सहित गुंडा बदमाश, निगरानी बदमाश की औचक चेकिंग कर गुजर बसर चेक किया गया। गुंडा बदमाश एवं निगरानी बदमाश अपने सकुनत पर उपस्थित मिले गुंडा एवं निगरानी बदमाशों को आपराधिक गतिविधियों में शामिल होना पाये जाने पर सख्ती से कार्रवाई किए जाने की हिदायत दी गई। पूर्व में संपत्ति सम्बन्धी अपराधों में शामिल आरोपियों एवं जमानत से छूटे हुए पूर्व के आरोपियों की भी चेकिंग कर सख्त चेतावनी दी गई। पुलिस टीम द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में सघन चेकिंग अभियान चलाकर देर रात तक बेवजह घूम रहे संदिग्ध व्यक्तियों को रोककर पूछताछ कर चेकिंग करते हुए सख्त चेतावनी देकर छोड़ा गया।

शंकरगढ़ में हुआ कृषक सम्मेलनः सुशासन का एक साल,छत्तीसगढ़ हुआ खुशहाल के साथ प्रगतिशील किसानों का सम्मान

- संवाददाता -
बलरामपुर, 22 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ÷सुशासन का एक साल, छत्तीसगढ़ हुआ खुशहाल÷ के नारे के साथ आज दिनांक 21 दिसंबर 2024 को शंकरगढ़ जनपद सभा कक्ष भवन में एक भव्य कृषक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का आयोजन नोडल कृषि विभाग एवं सहकारीता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी पूजन के साथ हुआ। इसके पश्चात विभाग द्वारा विगत वर्षों में किए गए कार्यों का वाचन किया गया। कार्यक्रम में धान विक्रय करने वाले किसानों को माननीय मुख्यमंत्री जी के पाती का संदेश भी वितरित किया गया।

इस अवसर पर 01 प्रगतिशील किसानों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए शॉल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।

विभागीय योजनाओं की जानकारीः

सम्मेलन में मौजूद अधिकारियों ने किसानों को विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही, किसानों को रुपे/एटीएम कार्ड भी वितरित किए गए और श्रम विभाग द्वारा नवीन श्रमिक कार्ड बनाए गए।

विशिष्ट अतिथियों की उपस्थितिः

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष श्री शिव शंकर मरबी जी उपस्थित थे, श्री मुकेश कश्यप जी (बिधायक प्रतिनिधि), श्री विवेक जायसवाल जी (भाजपा मण्डल अध्यक्ष), श्री भारती जी (वरिष्ठ भाजपा नेता), श्री गिरी जी (भाजपा नेता), श्री राजेश अग्रवाल (कोषा अध्यक्ष भाजपा), एवं बड़ी संख्या में सम्मानित कृषक, , महिलाएं और पशुपालक उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिकाः

कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यालय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सभी अधिकारी , जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शंकरगढ़ के शाखा प्रबंधक, समस्त समिति प्रबंधक विकास खंड शंकरगढ़ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री उमाकांत सिंह ने किया

यह आयोजन निश्चित रूप से किसानों के मनोबल को बढ़ाने और उन्हें कृषि क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने वाला साबित होगा।

सरगुजा में सबसे ज्यादा सनातन धर्म को मानने वाले हैं टीएस सिंहदेव : बालकृष्ण पाठक

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,22 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

पूरे सरगुजा में पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव से ज्यादा सनातन धर्म को मानने वाला और कोई नहीं है। भाजपा उनके बयान को तोड़ -मरोड़कर पेश की और उनके विरुद्ध विरोध प्रदर्शन किया। उक्त बातें रविवार को अंबिकापुर के राजीव भवन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं वन औषधि बोर्ड पादप बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कही। इस दौरान पीसीसी उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव एवं पीसीसी महामंत्री द्वितेंद्र मिश्रा के अलावा अन्य कांग्रेसी नेता उपस्थित थे। श्री पाठक ने कहा कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत एवं सिंहदेव का बयान समतुल्य है तो क्या बीजेपी मोहन भागवत के विरुद्ध भी प्रदर्शन करेगी। श्री पाठक ने आगे कहा कि 18वीं लोकसभा के शीतकालीन सत्र सत्तारुढ भारतीय जनता पार्टी द्वारा संविधान और संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के अपमान के लिए देश के संसदीय इतिहास में दर्ज हो गया है। बीजेपी हमेशा से लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों के प्रति तिरस्कार दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ती,इस बार तो हद ही पार कर दी। डॉ. अंबेडकर के आदर्शों पर चलने की सलाह बीजेपी को कतई रास नहीं आई,सत्तापक्ष ने लगातार विपक्ष को बोलने से रोकने की कोशिश की. यही नहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने डॉ. अंबेडकर का अपमान कर संघ और बीजेपी की मनुवादी मानसिकता उजागर कर दी।

बीजेपी और उसकी मातृसंस्था हमेशा से डॉ. आंबेडकर और संविधान विरोधी रही है. इन्होंने न सिर्फ संविधान के निर्माण के समय से ही विरोध किया, बल्कि इससे पहले डा. आंबेडकर को चुनाव हरवाया था। कांग्रेस डॉ. आंबेडकर के अपमान को लेकर अमित शाह के इस्तीफे की मांग किया है।जब तक अमित शाह इस्तीफा नहीं देंगे, हम विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे। सहजीवन व्याख्यान माला में इंडिया द विश्वगुरु व्याख्यानमाला में बोलते हुए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि मंदिर-मस्जिद विवाद निकालकर अपनी सियासत चमकाना गलत है। नए मुद्दे उठाकर कुछ लोग बन रहे हैं हिंदुओं के नेता। कुछ ऐसा ही उन्होंने जून 2022 में संघ शिक्षा वर्ग तृतियवर्ष के समापन में कहा था कि इतिहास वो है जिसे हम बदल नहीं सकते, इसे आज के हिन्दुओं और मुसलमानो ने नहीं बनाया, आज हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग ढूंढना गलत है। अब इस किस्म की बातों के लिये संघ को कोई आन्दोलन नहीं करना है।चिंतित मोहन भागवत का यह बयान महत्वपूर्ण है। उनका यह बयान इस संबंध में कांग्रेस की विचारधार के समतुल्य है।

वीडियो को कांट छांटकर किया गया प्रसारित

पूर्व उपमुख्यमंत्री टी0एस0 सिंहदेव ने भी कांग्रेस की बैठक के दौरान ऐसे ही विचार व्यक्त किये थे। बैठक में उनके भाषण का वो हिस्सा जिसे अपने मीडिया के किसी सहयोगी से उन्होंने गुपचुप ढंग से तैयार करवाकर और कांट-छांट कर प्रचारित किया का भाव भी यही है कि सुप्रिम कोर्ट ने रामजन्मभूमि पर जो निर्णय दिया है वो अन्य विचारवान प्रश्नो की मौजूदगी के बावजूद इस देश में सौहाद् स्थापित करने के लिये दिया है। निर्णय के इतने अर्से के बावजूद आज पुनः देश में मंदिर-मस्जिद विवादों का पिटारा खोलकर पूरे देश के अमन-चैन को तिरोहित किया जा रहा है। पूजा स्थल अधिनियम 1991 की गलत व्याख्या कर इन विवादों को पैदा करने से पूरे देश में भयावह स्थिति पैदा हो जायेगी, जिससे अंतत नुकसान इस देश की आम-जनता होगी। मोहन भागवत जैसी ही सीख देने के लिये पूर्व उपमुख्यमंत्री के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने गये लोग अब चुप हैं। प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस प्रवक्ता आशीष वर्मा,अनूप मेहता सहित अन्य मौजूद थे।

अमेरिकी सेना ने अपने ही लड़ाकू विमान को बनाया निशाना

हूती विद्रोहियों पर हमले के दौरान हुई गलती

वाशिंगटन,22 दिसम्बर 2024। अमेरिकी सेना ने रविवार को लाल सागर में अपने ही एक विमान को मार गिराया। विमान में सवार दोनों पायलट सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहे। एक पायलट को मामूली चोट आई है। अमेरिकी सेना से यह गलती उस समय हुई, जब वह हूती विद्रोहियों को निशाना बना रही थी।

अमेरिकी केंद्रीय कमान की तरफ से जारी बयान के अनुसार, गाइडेड मिसाइल युद्धपोत यूएसएस गेटीसबर्ग ने एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेस्ट पर गलती से गोलाबारी की और उसे मार गिराया। जिस समय एफ/ए-18 पर हमला हुआ, वह यूएसएस हैरी एस. ट्रूमैन से उड़ान भर रहा था। यूएसएस गेटीसबर्ग युद्धपोत भी यूएसएस हैरी एस. ट्रूमैन कैरियर स्ट्राइक ग्रुप का ही हिस्सा है। एफ/ए-18 विमान नेवल एयर स्टेशन ओसियाना (वर्जीनिया) के स्ट्राइक फाइटर स्क्वार्डन 11 के रेड रिपर जत्थे का हिस्सा था।

कैसे हुई चूक... अभी इसका नहीं लगा पता

अमेरिकी सेना की केंद्रीय कमान ने यह नहीं बताया कि यह घटना किस मिशन के दौरान हुई। यह भी अभी साफ नहीं है कि युद्धपोत गेटीसबर्ग एफ/ए-18 विमान को दुश्मन का विमान या मिसाइल के रूप में पहचानने की गलती कैसे कर सकता है। खासकर तब, जब युद्ध समूह के जहाज एक-दूसरे के साथ रडार व रेडियो संचार के साथ जुड़े होते हैं।

ट्रूमैन के आने के बाद बढ़े हूतियों पर अमेरिकी हमले

इस्राइल व हमास के बीच युद्ध शुरू होने के बाद यमन समर्थित हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से गुजरने वाले सैन्य व वाणिज्यिक जहाजों पर हमले तेज कर दिए हैं। लाल सागर के जरिये परिवहन सेवा को सुचारू रखने तथा हूती विद्रोहियों से जहाजों की रक्षा करने के लिए अमेरिका व उसके गठबंधन सहयोगी लगातार इलाके की निगरानी कर रहे हैं। लाल सागर में ट्रूमैन के आने के बाद अमेरिका ने हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं। अमेरिकी केंद्रीय कमान ने 15 दिसंबर को बताया था कि ट्रूमैन पश्चिम एशिया में पहुंच चुका है। हालांकि, तब उसने यह साफ नहीं किया था कि ट्रूमैन लाल सागर में है।

विश्व ध्यान दिवस सत्र में बड़ी संख्या में लोग हुए शामिल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 21 दिसम्बर को विश्व ध्यान दिवस घोषित किया गया। इसी तारतम्य में अम्बिकापुर में मेडिकल कॉलेज, केन्द्रीय जेल,कृषि अनुसंधान केन्द्र गुरुकुलम, हरिमंगलम, योग साधना केन्द्र सिटी सेंटर सहित संभाग के 38 से अधिक स्थानों पर ध्यान सत्र आर्ट ऑफ लिविंग के स्वयंसेवक, युवाचार्य और शिक्षकों द्वारा आयोजित किया गया। विश्व विख्यात आध्यात्मिक गुरु रविशंकर ने रात्रि 8 बजे वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में ध्यान कराया जिसका सीधा प्रसारण सभी देशों में हुआ। बहुत बड़ी संख्य में लोगों ने प्रथम विश्व ध्यान दिवस सत्र में भाग लिया जिसके कारण इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित किया गया। सरगुजा संभाग में अब योग, प्राणायाम, साधना के साथ नियमित ध्यान सत्र आयोजित किया जाएगा।

दीवार के मलबे के नीचे दबने से ग्रामीण की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

दीवार के मलबे के नीचे दबने से एक व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए बैकुंठपुर अस्पताल से मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार देवसाय गोड़ पिता दिलबोध गोड़ उम्र 50 वर्ष बैकुंठपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला था। वह 21 दिसंबर की सुबह 7.30 बजे अपने घर के दीवार से इंट निकाल रहा था। तभी दीवार अचानक गिर गया और मलबे के नीचे देवसाय दब गया। घर वालों ने आस-पास के लोगों की मदद से उसे मलबे से बाहर निकाला और इलाज के लिए बैकुंठपुर अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

अनुशासित होकर ही लक्ष्य को किया जा सकता है प्राप्त

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरस्वती महाविद्यालय सुभाष नगर अंबिकापुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के 7 दिवसीय विशेष शिविर के समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संत गहीरा गुरु विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर पीपी सिंह के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती तथा विवेकानंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया कुलपति का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बीपी तिवारी ने पुष्प कुछ एवं श्रीफल देकर किया। कार्यक्रम में अध्यक्षता कर रहे समिति के व्यवस्थापक राज रूप छाजेड़ का स्वागत कार्यक्रम अधिकारी धर्मेंद्र श्रीवास्तव द्वारा किया गया विशिष्ट अतिथि समिति के कोषाध्यक्ष करताराम गुप्ता का स्वागत भी कार्यक्रम अधिकारी द्वारा किया गया। विनोद जैन का स्वागत ऋषि सिंह ने किया इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने राज्य गीत तथा स्वागत गीत गया प्राचार्य द्वारा स्वागत भाषण देते हुए अतिथियों का सम्मान किया मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में स्वयं सेवकों को शुभकामना संदेश देते हुए ग्राम वासियों में जागरूकता लाने प्रेरित किया तथा सभी अतिथियों के वक्तव्य को ध्यान से सुनने पर जोर दिया और कहा कि सभी की बातें सुननी चाहिए विषय संबंधी बात का अपना महत्व होता है संस्था प्रमुख को भी बधाई देते हुए योजनाओं पर ध्यान आकर्षित करते हुए प्राध्यापक एवं कर्मचारियों के श्रम से परिचित कराया और स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित बताते हुए भीड़ से अलग रहकर कार्य करने प्रेरित किया कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समिति के व्यवस्थापक में बधाई संदेश दिया तथा कार्य की सराहना करते हुए इस प्रकार के कार्यक्रम नियोजित तरीके से होते रहने की बात कही विशिष्ट अतिथि द्वारा भी स्वयंसेवकों को बधाई संदेश दिया और अपने पुराने शिविर का उनके उदाहरण से लोगों में अनुशासन की बात कही और कहा अनुशासित होकर ही लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है कार्यक्रम अधिकारी द्वारा सात दिन के कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया जिसमें दिनचर्या के अनुसार प्रभात फेरी योग व्यायाम पी टी परियोजना कार्य में अलग-अलग मोहल्लों में स्वच्छता नलकूप के आसपास की सफाई सोक्ता गड्ढे का निर्माण सड़कों की साफ सफाई आदि बौद्धिक चर्चा सत्र में विभिन्न विषय जैसे विधिक जागरूकता शिविर में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम पर्यावरण सामाजिक समरसता एवम राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक द्वारा विभिन्न कहानियों के माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज विकास के प्रति प्रेरित किया डिजिटल साक्षरता विषय पर एवं कोडिंग की जानकारी कौशल विकास कार्यक्रम मतदान जागरूकता हेल्थ एंड हाइजीन एड्स एचआईवी आदि विषयों आदि पर प्रबुद्ध जनों ने विषय रखकर स्वयंसेवकों को जानकारी प्रदान की खेल सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना के खेल स्वयंसेवकों द्वारा खेला गया तथा ग्राम वालों को भी खेल के गुण से अवगत कराया ग्राम सर्वेक्षण में ग्राम की जनसंख्या तथा अपने शिविर के उद्देश्य एवं लक्ष्य से ग्राम वासियों को परिचित कराया सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयंसेवकों ने नाटक नृत्य गीत के माध्यम से ग्राम वासियों के समक्ष स्वास्थ्य नशा मुक्ति यातायात पर्यावरण जल संरक्षण आदि पर नृत्य नाटक एवं गीत प्रस्तुत कर जानकारी साझा की स्वयं सेवकों द्वारा कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ नाटक एकल गीत नशा मुक्ति का संदेश अतिथियों के समक्ष प्रस्तुत किया कार्यक्रम के अंत में धर्मेंद्र श्रीवास्तव कार्यक्रम अधिकारी द्वारा अतिथियों का आभार प्रदर्शन कर कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

कूटरचित आदेश के मामले में दो आरोपियों को को हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत किया खारिज

» जमीन फर्जीवाड़ा के मामले में कलेक्टर ने शहर के कई लोगों पर दर्ज कराई है एफआईआर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

राजस्व मंडल के कूटरचित आदेशों से जमीन फर्जीवाड़ा का मामला सामने आया था। मामले की जांच के बाद दोषी पाए जाने पर कलेक्टर ने एफआईआर के आदेश दिए थे। कलेक्टर के आदेश पर जिले के विभिन्न थानों में कई लोगों पर

मामले में आरोपी अशोक अग्रलवाल व घनश्याम अग्रवाल ने जमानत के लिए हाईकोर्ट में आवेदन लगाया था। मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने दोनों आरोपियों का जमानत खारिज कर दिया है। इससे कूटरचित कर जमीन फर्जीवाड़ा करने वाले आरोपियों की मुश्किलें बढ़ गई है।

राजस्व मंडल छग बिलासपुर के कूटरचित आदेशों को प्रस्तुत कर इसका क्रियान्वयन कराने बाबत आवेदन प्रस्तुत करने वालों पर

पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में तहसीलदार अंबिकापुर के समक्ष आरोपी अशोक अग्रवाल निवासी राजपुर, बलरामपुर, और आवेदक घनश्याम अग्रवाल निवासी प्रेमनगर, सूरजपुर, का प्रकरण संज्ञान

सरगुजा द्वारा राजस्व मंडल छग बिलासपुर को आवेदकों द्वारा प्रस्तुत कूटराचित आदेशों की प्रमाणिकता जांचने प्रेषित किया गया था। जांच उपरांत आवेदक द्वारा प्रस्तुत आदेशों तथा राजस्व मंडल द्वारा पारित आदेशों में भिन्नता स्पष्ट रूप से पाई गई। इस क्रम में सितम्बर माह में कलेक्टर द्वारा आवेदकों के विरुद्ध संबंधित थाने में एफआईआर दर्ज करवाने के निर्देश दिए गए। कार्रवाई हुई, जिसके बाद मामला हाई कोर्ट

में अग्रिम जमानत प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया था। हाईकोर्ट द्वारा पूरे मामले की सुनवाई हुई और अपराध की प्रकृति और गंभीरता को देखते हुए और प्रस्तुत केस डायरी में उपलब्ध सामग्री को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान मामले में अपराध क्रमांक 595/2024 के अंतर्गत, थाना कोतवाली अंबिकापुर, जिला सरगुजा (छत्तीसगढ़) में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 318(4), 338, 336(3), और 340(2) के तहत दर्ज मामले में शामिल आवेदक - अशोक अग्रवाल और घनश्याम अग्रवाल के अग्रिम जमानत आवेदन को अस्वीकार कर

महिला से बलात्कार,वीडियो वायरल करने की देता था धमकी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

घर में घुसकर जान से मारने की धमकी देकर महिला से बलात्कार करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। दरिमा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार पीड़िता 5 मार्च 2024 को घर में अकेली थी। इस दौरान आरोपी दिन-दहाड़े पीड़िता के घर में घुसकर जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ बलात्कार किया था। इस दौरान आरोपी ने घटना का वीडिया भी मोबाइल से बना लिया था। घटना के बारे में किसी को बताने पर वीडिया वायरल करने की

को भी वीडिया वायरल करने की धमकी देकर आरोपी ने पीड़िता से बलात्कार किया था। इसके बाद पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट संबंधित

रिपोर्ट पर पुलिस न आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ धारा 376(2) ढ, 450, 506 बी, 384 के तहत कार्रवाई कर जेल

तो...! कोयला माफियाओं का तिलिस्म नहीं तोड़ पा रही पुलिस

दीपक सेल्स की पकड़ी गई तीन गाड़ियां,शुरू हुई लीपा-पोती

जब-जब अनूपपुर या शहडोल जिले की पुलिस कोयला माफियाओं की गाड़ियों को पड़ती है उसके बाद से ही उसके ऊपर राजनीतिक दबाव के साथ-साथ मैनेज का खेल शुरू हो जाता है। इसी मैनेजमेंट के खेल में पुलिस कागजी कार्रवाई करने के दौरान कोयला माफियाओं के बचाव का रास्ता निकाल देती है जो इस समय पूरे कोयलांचल क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

-बागी कलम-
अनूपपुर,22 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

शहडोल जिले के बंगवार यूजी खदान से लगभग 12:00 बजे कोयला लेकर मोजर बेयर पावर प्लांट जैतहरी अनूपपुर के लिए निकली दीपक सेल्स बिजुरी की तीन गाड़ियां लगभग 5:30 बजे धनपुरी पुलिस के द्वारा बगवार के जंगल में पकड़ी जाती हैं। जबकि इन गाड़ियों को जारी टीपी के अनुसार इन्हें 2:15 से 2:30 तक मोजर बेयर पावर प्लांट पहुंचना था। अब यहां सवाल यह खड़ा हो रहा है कि लगभग 5 घंटे तक गाड़ियों में कोयला लोड करके टीपी कटवाने के बाद दीपक सेल्स की यह गाड़ियां खदान के पास जंगल में क्या कर रही थी.? इसका जवाब तो बहुत सीधा है कि दीपक सेल्स का नाम ही कोयले के धंधे में विवाद और उलट फेर करने के लिए काफी है। इसके बावजूद धनपुरी पुलिस के द्वारा दीपक सेल्स के मालिक दीपक गुप्ता के खिलाफ सीधे-सीधे मुकदमा पंजीकृत ना करके ट्रेलर चालकों के खिलाफ मामला पंजीबद्ध किया जाता है और सूत्रों का दावा है कि इस पहेली प्रक्रिया के बाद से ही कोयला माफियाओं को अपने बीच का रास्ता निकालने के लिए खुली छूट दे दी जाती है।

पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट में नहीं है नाम

यहां पर यह भी उल्लेख है कि गाड़ियों की जारी टीपी में दीपक सेल्स का नाम उल्लेखित है लेकिन इसके बावजूद पुलिस के प्रेस विज्ञप्ति से यह नाम गायब है जो इस बात का प्रमाण है कि या तो धनपुरी पुलिस कोयला माफियाओं के राजनीतिक दबाव और मैनेजमेंट में झुक गई या बिक गई। फिलहाल मामला चाहे जो हो लेकिन सच यही है कि पुलिस द्वारा बड़े कोयला माफियाओं की गाड़ी पकड़ने के बाद भी उनका कानून की पकड़ से बच निकलना एक आम दिनचर्या बन चुकी है। यही कारण है कि अब इस क्षेत्र की जनता यह कहने लगी है कि ऐसा कौन सा कारण है कि अनूपपुर और शहडोल जिले की पुलिस कोयला माफिया के तिलिस्म को तोड़कर उन्हें कानून के शिकंजे के पीछे क्यों नहीं खड़ा कर पाती.?

बचाव के लिए रास्ता खोजने दे दी खुली छूट

शहडोल जिले की धनपुरी पुलिस के द्वारा रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार धनपुरी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बघवार कोयला खदान के गेट के आगे जंगल की तरफ तीन टेलर कोयले से लदे खड़े हैं। पुलिस ने जब वहां दबिश दी तो टेलर वाहन क्रमांक सीजी 04 पीसी 7577, सीजी 04 पीसी 7753, एमपी 65 एच 9777 को पाया। जहां पर तीनों चालक दिनेश सिंह गौर, कुलदीप सिंह, पुष्पेंद्र सिंह पुलिस से वैध कागजात मांगने पर नहीं दिखा पाए जिसके कारण पुलिस ने टेलरों को धनपुरी थाने लाई और अपराध क्रमांक 384/2024 अंतर्गत धारा 303(2), 3(5)बीएनएस एवं 4/21 खनिज अधिनियम का मामला पंजीकृत किया गया। यहां पर यह बता दिया जाए की उक्त वाहनों के नंबर पर जारी टीपी के अनुसार उक्त गाड़ियां दीपक सेल्स से संबंधित है लेकिन धनपुरी पुलिस ने दीपक सेल्स का कहीं भी नाम उल्लेख न करके उनको अपने बचाव के लिए रास्ता खोजने की खुली छूट दे दी और ऐसी जन चर्चा है कि यह सब कोयला माफियाओं के मैनेजमेंट के खेल के कारण संभव हुआ।

पहले भी आ चुका है दीपक सेल्स का नाम

अनूपपुर जिले के बिजुरी थाना अंतर्गत कोयले के अवैध कारोबार के मामले में कई बार बिजुरी स्थित दीपक सेल्स का नाम आ चुका है। रामनगर थाने के द्वारा इसके पहले पकड़े गए तीन टेलर और उसमें दीपक सेल्स की बिजुरी कोल यार्ड का मामला हो या फिर अभी नई सीईडिंग के लिए आवंटित व्यावसायिक प्लांट में रेलवे की जमीन को गहरी खाई में तब्दील करना या फिर उनकी गाड़ियों पर कोयल और रेट की टीपी एक साथ एक समय पर जारी होना ऐसे कई चर्चित मामले इसके पहले प्रकाश में आ चुके हैं। इसके बावजूद आज तक दीपक सेल्स पर किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई न होना अपने आप में कई सवाल खड़ा कर रहा है। यही नहीं सत्ता का संरक्षण और मैनेजमेंट के माहिर खिलाड़ी होने का फायदा उठाकर दीपक सेल्स और इसके मलिक कब तक कानून की पकड़ से दूर रहेंगे यह बड़ा प्रश्न है।

संभागायुक्त महादेव कांवरे ने सतरेंगा में नल जल योजना के निरीक्षण के दौरान पानी पीकर स्वाद को परखा

-संवाददाता-
कोरबा,22 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

बिलासपुर संभागायुक्त महादेव कांवरे ने कलेक्टर अजीत वसंत, मुख्य अभियंता बिलासपुर संभाग संजय सिंह के साथ कोरबा विकासखण्ड के सतरेंगा में जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों के घर जाकर नलों से पानी चालू कर के देखा और पानी पीकर पानी के स्वाद को परखा। संभागायुक्त श्री कांवरे ने ग्रामीणों से चर्चा कर उनसे पेयजलापूर्ति की स्थिति की जानकारी ली। ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि पानी की समस्या नल लग जाने से दूर हो गई है। अब उनके घरों में ही नल का पानी आता है। पीएचई विभाग के ईई श्री ए के बच्चन ने बताया कि सतरेंगा में लगभग डेढ़ हजार परिवारों को जल जीवन मिशन योजना के माध्यम से घर में पानी उपलब्ध होता है। संभागायुक्त ने जिले में जल जीवन मिशन के शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

प्राथमिक शाला साहूपारा में स्वेटर वितरण एवं नेवता भोज का हुआ आयोजन

सहायक शिक्षक मिथिलेश पाठक ने स्वयं के व्यय से बच्चों को गर्म कपड़े(स्वेटर) का किया वितरण

-संवाददाता-
रामानुजनगर/सूरजपुर 22 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

प्राथमिक शाला साहू पारा लेडुवा रामानुजनगर में सहायक शिक्षक मिथिलेश पाठक ने अपने जन्म दिन के अवसर पर सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार साहू की गरिमा मय उपस्थिति में स्कूल के छात्र- छात्राओं को मौसम अनुरूप गर्म कपड़े (स्वेटर) अपने वेतन से प्रदान किया साथ ही नेवता भोजन में पालकों ,एवं ग्राम वासियों को आमंत्रित कर नेवता भोजन भी कराया है। सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि शिक्षक अपने कर्तव्यों का पालन त्याग की भावना के साथ करें जितना त्याग होगा लोगों की उतनी भलाई होगी,संग्रह की भावना ठीक नहीं, शिक्षक की संवेदना तथा गर्म कपड़े वितरण का यह कार्य सराहनीय है तथा समुदाय के साथ जुड़कर शाला का सर्वांगीण विकास संभव है ,कार्यक्रम को प्रधान पाठक छत्रपाल कुशवाहा ने भी संबोधित किया,इस अवसर पर,श्री जय प्रकाश बरेठा, ग्राम लेडुवा से मनोज कुमार जन शिक्षक श्री राम कृपाल साहू, मिथिलेश पाठक, शिवपाल साहू,कलावती सोनवानी,परसराम, धनेश्वरी, गायत्री,सुनील कुमार साहू, उमेश कुमार साहू के साथ ही अविभावक गण , तथा संकुल के शिक्षक शिक्षिका उपस्थित थे।

पीड़ित व्यक्ति को जल्द न्याय दिलाने में साक्ष्य समय पर होना जरूरी:एसएसपी

समंस-वारंट तामीली के परफॉर्मेंस में और सुधार को लेकर कोर्ट मोहर्रिर व समंस वारंट का संधारण करने वाले जवानों की ली बैठक

-संवाददाता-
सूरजपुर,22 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

माननीय न्यायालय से पीड़ित व्यक्ति को न्याय दिलाने के लिए समय पर साक्ष्य होना जरूरी है इसे दृष्टिगत् रखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने रविवार, 22 दिसम्बर 2024 को जिले के कोर्ट मोहर्रिरों, थाना में समंस-वारंट का कार्य करने तथा समंस-वारंट लाने-ले जाने वाले जवानों की बैठक ली और तामीली के परफॉर्मेंस में बढ़ोत्तरी के निर्देश देते हुए और बेहतर कार्य के लिए प्रोत्साहित कर कहा कि जब आप सभी मिलकर अच्छा कार्य करेंगे तो सूरजपुर पुलिस का बेहतर काम दिखेगा और लोगों को राहत मिलेगी।

इस दौरान एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने कोर्ट मोहर्रिरों एवं थाना में समंस-वारंट का कार्य करने वाले जवानों को कहा कि पीड़ित व्यक्ति को जल्द न्याय दिलाने की दिशा में तेजी से कार्य करने की आवश्यकता है, इसके लिए माननीय न्यायालय से किसी व्यक्ति अथवा पुलिस अधिकारी का समंस-वारंट जारी होने पर वारंटों को सर्वोच्च प्राथमिकता से तामील कराई जावे। एसएसपी ने जिले के सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया है कि माननीय न्यायालय से जारी सभी वारंटों पर अनिवार्य रूप से न्यायालय में पेशी अटेंड करें अनावश्यक अनुपस्थित न रहे। उन्होंने कोर्ट मोहर्रिर व समंस वारंट का कार्य करने वाले जवानों को कहा कि अच्छे कार्य पर पुरस्कृत किया जायेगा। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, स्टेनो अखिलेश सिंह, एएसआई धनेश्वर कुशवाहा, सभी कोर्ट मोहर्रिर सहित अन्य पुलिस जवान मौजूद रहे।

एक ओर बाघ ने मवेशी का किया शिकार,तो वहीं तालाब से मगरमच्छ निकलकर मचाया हड़कंप

-संवाददाता-
कोरबा,22 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

कोरबा जिले के कटघोरा वनमण्डल क्षेत्र के जंगल की सीमा से लगे पड़ोसी जिले के मरवाही वनमण्डल के जंगल से आकर पसान और चैतमा के जंगल के बीच विचरण कर रहे बाघ ने ग्रामीणों की नींद उड़ा रखा है। पिछले दिनों वन विभाग द्वारा बाघ का लोकेसन ज्ञात होने पर आस पास के क्षेत्रों के ग्रामीणों को अलर्ट करने के साथ ही बाघ की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। शनिवार रात इस बाघ ने जंगल के भीतर एक मवेशी का शिकार किया जिसकी तस्वीर वन विभाग के कैमरे में कैद हुई है। इस बाघ का मूवमेंट मरवाही ,पसान, पाली, चैतमा वन परिक्षेत्र के बीच बस्ती और रतखंडी ग्राम के आसपास लोकेशन बताता रहा है। रात में इसने एक मवेशी का शिकार भी किया है। बाघ मरवाही वन परिक्षेत्र से कटघोरा वन मण्डल के बीच लगातार मूवमेंट कर रहा है और इसी क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है जिसका वीडियो भी सामने आया है। वहीं दूसरी ओर कल शनिवार रात 9 बजे ग्राम शिवपुर में तालाब से निकलकर सड़क के किनारे मगरमच्छ को ग्रामवासियों के द्वारा पकड़ा गया, जिसे ग्रामीणों ने रविवार सुबह 10 बजे वन विभाग की टीम को सौंपा । वन कर्मियों के द्वारा उक्त मगरमच्छ को रेस्क्यू कर खारंग जलाशय खूंटाघाट रतनपुर में सुरक्षित छोड़ा ।

C M Y K

क्या भाजपा में देवतुल्य कार्यकर्ता हुए असुर ?

क्या भाजपा देवतुल्य कार्यकर्ताओं को असुर बनाने के लिए उम्र निर्धारण किया गया ?

जब सत्ता में नहीं थी पार्टी तब 70 साल वाले भी मंडल अध्यक्ष के लिए थे पात्र,जैसे ही सत्ता मिली उम्र की सीमा 45 हो गई

पूरे संभाग में भाजपा के मंडल अध्यक्षों की घोषणा को लेकर अंदर खाने में भाजपा कमजोर हो गई,भले वह अपने आप को समंदर मान रही है...

क्या भाजपा को पार्टी का नाम बदलकर आरएसएस रख देना चाहिए ?

इस समय आरएसएस को ज्यादा तव्वजो दिया जा रहा है ऐसे में फिर भाजपा के लोग क्या करेंगे ?

क्या आरएसएस के नाम पर भाजपा अपने पतन की दिशा में आगे बढ़ रही है ?

चुनाव में क्यों कहा गया मंडल अध्यक्ष के मनोनयन को ?

कोरिया जिले में सामान्य वर्ग और साहू समाज की हुई मंडल अध्यक्ष मनोनयन में उपेक्षा,विधायकों ने नहीं दी दोनों समाज के लिए सहमतिःसूत्र

सामान्य वर्ग का मत प्रतिशत नहीं है भाजपा के लिए निर्णायक, विधायकों ने किया अंदरूनी विरोधःसूत्र

कर्मठ की जगह रबर स्टाम्प का हुआ मनोनयन,मनोनयन में उपेक्षा के लिए भी किया गया पैनल का गठन ?

पैनल में शामिल अन्य नाम केवल उपेक्षा के लिए थे शामिल,नाम शामिल कर उपेक्षा का दिया जाना था दंशःसूत्र

-जिला प्रतिनिधि-
कोरिया,22 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी कभी तालाब थी आज भले ही समंदर बन गई हो लेकिन क्या वह फिर से तालाब बनने की राह तो नहीं चुन रही है? भारतीय जनता पार्टी जिस समय तालाब थी उस समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस समंदर थी,आज भले ही भारतीय जनता पार्टी अपने आप को समंदर मान रही है, लेकिन क्या अपने आप को समंदर बनाए रखने के लिए जितना सहनशक्ति रखना चाहिए क्या उतना रख पा रही है भाजपा? यह बात इसलिए हो रही है क्योंकि अभी छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार है जिस समय छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार थी उस समय भाजपा सत्ता में आने के लिए उम्र नहीं देख रही थी, अपने संगठन चुनाव में उस समय अपने कार्यकर्ताओं को सत्ता दिलाने के लिए काम करने को कह रही थी, अब जब सत्ता आ गई है तो अब पार्टी के विस्तार में उम्र की बात आज आ गई है,अभी वर्तमान में हो रहे मंडल अध्यक्ष मनोयन को लेकर कुछ ऐसी ही बात सामने आ रही है, अभी तक जितने भी मंडल अध्यक्ष बनाए गए हैं उसे लेकर कुछ ऐसे ही स्थिति निर्मित हो गई है अंदर खाने में भाजपा के नेता ही यह बात कहने लगे हैं कि देवतुल्य कार्यकर्ता अब असुर लगने लगे हैं पार्टी को विधायक को...? क्या यही वजह है कि देवतुल्य कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर उम्र की बंदिश रखकर मंडल अध्यक्ष बनाया गया है? मंडल अध्यक्ष भले ही भारतीय जनता पार्टी ने बना लिया है पर इसे लेकर अंदर खाने का विरोध अभी तो नहीं पर आगामी चुनाव में भाजपा को नुकसान पहुंचाएगा, यह भी तय माना जा रहा है क्योंकि भाजपा में सामने से विरोध करने की परंपरा नहीं है अंदर खाने से जब विरोध होता है तो

भाजपा को बहुत बड़ी पटकनी मिलती है, कुछ ऐसा ही अंदेशा अभी से लगाया जा रहा है।

भाजपा मंडल अध्यक्ष चुनाव में कोरिया जिले का हाल और बेहाल नजर आ रहा है कोरिया जिले में 7 मंडलों के अध्यक्षों के मनोनयन के दौरान एक भी सामान्य वर्ग का अध्यक्ष न होना एक भी साहू समाज का न होना यह जाहिर करता है कि भाजपा के लिए अब सामान्य वर्ग और साहू समाज की उपयोगिता समाप्त है? वैसे मनोनयन को लेकर एक बात और सामने आई है वह यह की मनोनयन को बेवजह ही निर्वाचन साबित करने का प्रयास किया गया, वहीं पैनल का निर्धारण भी यह सोचकर किया गया कि अपमान मनोनयन के दौरान उसी का हो सके जो पार्टी का सच्चा सिपाही हो सच्चा हितैषी हो। कोरिया जिले में मनोनयन के दौरान मनोनयन हेतु जब नामों का पैनल तैयार किया गया तब उस समिति में उन्हें रखा गया जो विधायकों के करीबी थे जिन्हें विधायकों ने अपनी भड़ास की छूट दी थी और जो उन्होंने उन देवतुल्य कर्मठ कार्यकर्ताओं पर निकाली जो पार्टी के लिए हर स्थिति में तैयार रहते थे। खैर अपमानित किए गए पैनल में शामिल अध्यक्ष पद का खुद को संभावित दावेदार मान रहे देवतुल्य कार्यकर्ताओं की बात करें तो उन्हें आभास भी नहीं हुआ कि उन्हें केवल अपमानित करने ही पैनल में रखा गया, शेष जिन्हें अध्यक्ष मनोनीत किया जाना था उन्हें पता था क्योंकि उन्हें अपनी क्षमता से ज्यादा अपनी सिफारिश पर भरोसा था।

भारतीय जनता पार्टी को संगठन को लेकर काफी बारीकी से सोचने की जरूरत

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा को सब संगठन को लेकर काफी सोचने की जरूरत है। भाजपा में अब वह विचार संगठन मामले में नहीं उपयोग किया जा रहा है जो उसकी विशालता का कारण बना है। भाजपा के अंदर उपेक्षा अनादर जैसा विषय पहले नहीं हुआ करता था लेकिन अब ऐसा होने लगा है। भाजपा में यदि देवतुल्य कार्यकर्ताओं के मामले में ऐसा ही होता रहा उन्हें उपेक्षित और सार्वजनिक रूप से अपमानित किया जाता रहा भाजपा का हाल भी अच्छा नहीं रहने वाला इसलिए भाजपा को संगठन को लेकर सोचना होगा और सत्ता का दंभ छोड़कर कार्यकर्ता देवतुल्य कार्यकर्ता का सम्मान करना होगा।

विधायक,सांसद,मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री की आयु सीमा 75 वर्ष है,मंडल अध्यक्ष की 45 क्यों ?

मंडल अध्यक्ष के मनोनयन में पहली बार उम्र सीमा का निर्धारण था। 45 वाला ही मंडल अध्यक्ष के पद के लिए पात्र होगा यह तय था। जब पार्टी संविधान अनुसार प्रधानमंत्री और सांसद विधायक 75 वर्ष के हो सकते है तो मंडल अध्यक्ष 45 का ही होगा यह कैसा न्याय है। कुलमिलाकर बड़े नेता अपने लिए रास्ता बना ले रहे हैं छोटों के लिए वह रास्ता नहीं बना रहे हैं रास्ता छोटा कर रहे हैं। अलग अलग नियम के साथ चल रहा है भाजपा में सबकुछ किसी के लिए कुछ किसी के लिए कुछ।

भाजपा राजनीतिक पार्टी है या फिर आरएसएस ही भाजपा ?

भाजपा एक राजनीतिक पार्टी है और आरएसएस राजनीतिक पार्टी के रूप में जानी पहचानी जाती है ऐसा अभी सामने नहीं आया है। इस बार के मनोनयन में मंडल अध्यक्षों के यह बात भी सामने आई कि उन्हें ही मंडल अध्यक्ष बनाना है जो आरएसएस प्रशिक्षित हैं। सवाल यह उठता है कि आरएसएस की एक अपनी अलग पहचान है जो राजनीतिक पहचान नहीं है, भाजपा राजनीतिक पार्टी है और भाजपा से जुड़ा कोई व्यक्ति आरएसएस प्रशिक्षित ही हो ऐसा अभी तक तो अनिवार्य नहीं था। अब ऐसे में किसी को यह कहकर तिरस्कृत करना की वह आरएसएस प्रशिक्षित नहीं है क्या भाजपा के देवतुल्य कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय नहीं है?

क्या भाजपा का अच्छा समय अब खत्म होने वाला है ?

भाजपा में अनुशासन और कार्यकर्ताओं का सम्मान पहली प्राथमिकता होती थी,इसलिए वह सफल हुआ करती थी। अब वैसा नहीं है, अब कार्यकर्ता की बजाए बड़े और निर्वाचित नेता ही यह तय करते हैं कि कौन किस पद में जाएगा और किसे लगातार अपमानित करके पार्टी से किनारे जाने मजबूर करना है। व्यापारियों और दो नंबरियों की पूछ परख और उनकी धमक पार्टी में बढ़ी। सच बोलने और अपनी बात रखने वाले लोगों के लिए पार्टी ने बाहर जाने का बोर्ड लगा रखा है। अब पार्टी का भविष्य सफलता वाला ज्यादा लंबा नहीं है यह कहना गलत नहीं होगा। देवतुल्य कार्यकर्ताओं की उपेक्षा के बाद अब ऐसा लगने लगा है कि भाजपा का अच्छा समय अब कुछ दिनों का है और वह समुद्र बनकर खारा होने की राह पर है जहां विशालता के बावजूद उसकी उपयोगिता नहीं है।

सरगुजा संभाग के सभी जिलों में मंडल अध्यक्ष के चुनाव को लेकर असंतोष क्यों ?

सरगुजा संभाग के सभी मंडलों के मंडल अध्यक्षों के मनोनयन के दौरान लगभग हर जगह से असंतोष की खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि अधिकांश जगह ऐसे लोगों को मंडल अध्यक्ष बनाया गया है जो पद की महत्ता ही नहीं साबित कर पाएंगे,और रबर स्टाम्प बनकर काम करेंगे। कहा जाए तो रबर स्टाम्प बनकर काम करने वालों को ही मौका मिला है और जो योग्य और जुझारू थे उनपर गंभीर आरोप लगाकर उन्हें अयोग्य करार किया गया है। बताया जा रहा है कि अयोग्य बनाने और देवतुल्य का सार्वजनिक अपमान करने के लिए मनोनयन के दौरान उन्हें जिन्हे मनोनीत नहीं किया गया बुलाकर बैठाया गया और उन्हें यह जताया गया कि वह अयोग्य हैं और तिरस्कार से वह इस बात को समझ ले जान लें।

वनरक्षक भर्ती मामला...कोरिया मनेंद्रगढ़ वन मंडल,गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान अंतर्गत की जा रही वनरक्षक भर्ती में धांधली का आरोप

एडवांस टेक्नोलोजी का भी तोड़ निकाल लिया कोरिया वन मंडल के अधिकारियों ने,करोड़ो की हुई है वसूलीःसूत्र

जिन्हें करना है भर्ती उनकी सूची बनकर है तैयार,हजारों की दौड़ में पैसे वाले बनेंगे वनरक्षकःसूत्र

जिन्हें करना है चयनित उनका शारीरिक परीक्षा हुआ एक ही दिन,आरक्षित दिन में सेटिंग वालों की हुई शारीरिक परीक्षाःसूत्र

अलग-अलग दिनों में सेटिंग वालों की होनी थी शारीरिक परीक्षा,मेडिकल सहित अन्य अनिवार्य कारणों से अनुपस्थिति का आवेदन दिलवाकर उन्हें मौका दिया गया आरक्षित दिवसःसूत्र

आरक्षित दिवस की परीक्षा में शामिल हुए लोग ही होंगे अधिक संख्या में चयनित, लगभग 40 की संख्या एक ही दिन दौड़ने वालों की होगी चयन सूची मेंःसूत्र

-जिला प्रतिनिधि-
कोरिया/एमसीबी 22 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

मनेंद्रगढ़ वनमण्डल सहित गुरुघासीदास राष्ट्रीय उद्यान अंतर्गत रिक्त वनरक्षक के पदों पर जारी चयन परीक्षा में खासकर शारीरिक दक्षता परीक्षा में जमकर धांधली हुई है और पहले से ही जिनका चयन किया जाना है उनका नाम तय है ऐसा बताया जा रहा है और ऐसा आरोप अभ्यर्थी ही लगा रहे हैं जो इस प्रकिया में शामिल हुए हैं। अभ्यर्थियों का आरोप है कि वनरक्षक भर्ती प्रकिया में जमकर धांधली हुई है और एडवांस टेक्नोलोजी के प्रयोग से धांधली नहीं होगी और सबकुछ निष्पक्ष और बिना धांधली होगा जैसा पहले हुआ वैसा नहीं होगा अधिकारियों और वन कर्मियों के परिजनों का चयन नहीं होगा पारदर्शिता रहेगी यह दावा चयन समिति और वन विभाग सहित शासन का दावा ही रह गया और धांधली हो गई और अब उन्हीं का चयन होगा जो धांधली से शारीरिक दक्षता

परीक्षा में अच्छे अंक पा सके हैं। अभ्यर्थियों का ही आरोप है कि कोरिया जिले के चरचा महाजन स्टेडियम में सम्पन्न हुई शारीरिक दक्षता परीक्षा में अंतिम दिवस जिन अभ्यर्थियों ने भाग लिया उनकी संख्या के अनुपात में 40 प्रतिशत का आंकड़ा उसी दिन का ऐसा है जिनका शारीरिक दक्षता परिक्षा सबसे अच्छा गया,कुल मिलाकर अंतिम दिवस के ही अभ्यर्थियों को सबसे अधिक अंक दिए गए और उन्हें पात्र बनाया गया और यह वह अभ्यर्थी थे जो अंतिम रिजर्व दिवस इसलिए शारीरिक दक्षता परीक्षा देने पहुंचे थे क्योंकि उन्होंने अपने लिए निर्धारित तिथि पर अपनी अनुपस्थिति का आवेदन दिया था और बीमारी या अन्य बहाना बनाकर उन्होंने रिजर्व दिवस का अपने लिए चयन किया था जिससे उन्हें आसानी हो धांधली माध्यम से पात्र होने में। ऐसे अभ्यर्थियों को ऐसा दिमाग और रिजर्व दिवस के दिवस शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल होने की व्यवस्था विभाग के लोगों ने ही की थी और उन्हीं का यह तरीका है जिससे वह अपने लोगों को भर्ती में अव्वल ला सकें।

क्या रिश्तेदारों के लिए निकाली है भर्ती ?

बताया जा रहा है कि वन विभाग के अधिकारियों के रिश्तेदार कुछ नेताओं के रिश्तेदार और परिचित साथ ही अन्य अधिकारियों के रिश्तेदारों की भर्ती का पूरा आयोजन है यह प्रयोजन है यह अन्य शामिल अभ्यर्थियों को अंत में निराश ही होना है क्योंकि सबकुछ पहले से ही तय है। बताया जा रहा है कि टेक्नोलॉजी का उपयोग और उसकी पारदर्शिता को भी विभाग के घाघ लोगों ने खरीद लिया है और उन्होंने रिजर्व दिवस के दिन को ही अपने लिए हथियार बनाया और आय का अपनो के चयन का जारिया बनाया और उन्होंने वह लगभग कर दिखाया। अब अभ्यर्थियों के द्वारा आरोप लगाया जा रहा है और पूरी धांधली वह सामने लाकर न्याय की मांग कर रहे हैं और शारीरिक दक्षता परीक्षा पुनः आयोजित करने की मांग कर रहे हैं।

उपकरण लगाकर भी निष्पक्ष नहीं कर पाए वनरक्षक भर्ती ?

कोरिया जिले में कोरिया वन मंडल,मनेंद्रगढ़ वन मंडल और गुरुघासीदास उद्यान अंतर्गत रिक्त वन रक्षकों के पदों पर भर्ती के लिए संपन्न की गई शारीरिक दक्षता परीक्षा में उपकरण लगाकर शारीरिक दक्षता परीक्षा आयोजित की गई। उपकरण के माध्यम से शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन पूर्णतः निष्पक्ष होगा और धांधली नहीं होगी हर कुछ समय तिथि अनुसार मशीन में सुरक्षित होगा यह आश्वासन दिया गया था अभ्यर्थियों को। वहीं यदि सूत्रों की बात मानी जाए तो उनका कहना है कि मशीन में भी समय तिथि बदला जाना संभव है वहीं जिन्हे चयनित किया जाना था उनका अलग से रिजर्व दिवस शारीरिक दक्षता परीक्षा लिया गया। जो रिजर्व दिवस शामिल हुए उनका समय तिथि भी बदला जाएगा और इसका काफी अधिक वसूली हुआ है कुछ वन अधिकारियों के भी रिश्तेदारों का चयन किया जाना है यह बताया जा रहा है। कुल मिलाकर भर्ती मशीन लगाकर भी निष्पक्ष नहीं हो सकी भ्रष्टाचार धांधली जमकर हुई और अब अपात्र प्रभाव पकड़ पहुंच और पैसा देकर वन रक्षक बनेंगे यह तय है।

रिजर्व दिवस का खेल अन्य अभ्यर्थी पहले नहीं समझ सके

किसी भर्ती परीक्षा में घंटों, एक, दो या चार दिन का कोई यदि समय निर्धारित है तो वह बढ़ाया नहीं जाता और निर्धारित समय या दिवस में ही वह परीक्षा आयोजित होती है और उसी अवधि में ही वह परीक्षा आयोजित होती है और जो उस दिवस शामिल नहीं होता वह अपात्र अनुपस्थिति के आधार पर स्वमेव हो जाता है। वनरक्षक शारीरिक दक्षता परीक्षा में कोरिया जिले में रिजर्व दिवस का रखा जाना ही मुख्य धांधली थी जिसे पहले अभ्यर्थी नहीं समझ सके। रिजर्व दिवस उन्हें अवसर देना था विभाग को जिनको सही मायने में पात्र करना था और जिनका ही चयन राजनीतिक दवाब,अधिकारियों के दबाव या अन्य के दबाव से किया जाना था। ऐसे अभ्यर्थी जो रिजर्व दिवस शामिल हुए वह मेडिकल के बहाने या अन्य किसी बहाने रिजर्व दिवस के लिए पात्र बनेंगे यह भी विभाग से तय था। कुल मिलाकर रिजर्व दिवस के दिन शामिल लोग ही वन रक्षक बनेंगे यही शारीरिक दक्षता परिक्षा का उद्देश्य और अंतिम लक्ष्य था और वह हुआ भी और ऐसे ही लोग अधिक संख्या या पूरे रिक्त पदों की संख्या के अनुरूप पात्र हुए या अधिक अंक जिन्हें मिला।

हजारों बेरोजगारों के लिए है बुरी खबर

यह धांधली जो वन रक्षक भर्ती में हुई है कोरिया जिले में उसकी जांच हो और पुनः यह दक्षता परीक्षा आयोजित हो यह बेरोजगार अभ्यर्थियों की मांग है। अभ्यर्थियों के लिए यह बुरी खबर है कि वह जिस पद के लिए मेहनत कर पहुंचे थे वह पहुंच पैसे और प्रभाव से बिक चुके हैं और उनमें किन्हें चयनीय किया जाना है यह पहले से तय हो चुका है।

रिजर्व दिवस के दिन शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल हुए अभ्यर्थियों को सबसे अधिक मिले अंकःसूत्र

सूत्रों की माने और उनका दावा जाने तो रिजर्व दिवस के दिन शामिल अभ्यर्थियों को सबसे अधिक अंक मिले शारीरिक दक्षता परिक्षा में। रिजर्व दिवस के अभ्यर्थियों में से लगभग 40 लोगों के चयन की तैयारी है। अब समझा जा सकता है कि कितनी बड़ी धांधली है कि रिजर्व दिवस वाला ही योग्य और पात्र बन रहा है। बताया जा रहा है कि रिजर्व दिवस के दिन शामिल अभ्यर्थियों को हर इवेंट में और दक्षता परीक्षा में अधिक अंक दिए गए जो पूर्व से तय था और जिसके लिए पैसा भी लिया गया और कई मामले में अधिकारियों नेताओं के परिवार से किसी का चयन किया जाना मजबूरी है।

रिजर्व दिवस स्थानीय अभ्यर्थियों की हुई दक्षता परीक्षा, अंक मामले में भी हुआ अनोखा खेल

इस शारीरिक दक्षता परीक्षा में अजीब खेल देखने को मिला। इस खेल में रिजर्व दिवस स्थानीय लोगों को दौड़ाया गया और उन्हें ही गोला फेंक और लंबी कूद के लिए अवसर दिया गया। इस अवसर में उन्हें यदि वह दौड़ में असफल हुए तो उन्हें लंबी कूद और गोला फेंक में ही 25 ,25 अंक देकर पात्र किया गया। पात्रता के लिए इस तरह का खेल हुआ कि यह खुद ही धांधली साबित करने काफी है कि दौड़ में असफल हुआ अभ्यर्थी गोला फेंक और लंबी कूद में पात्र हुआ और 50 अंक ले आया। भ्रष्टाचार का यह मामला ऐसा है जो हजारों ऐसे अभ्यर्थियों के लिए निराशाजनक खबर है जो उम्मीद लगाए बैठे हैं कि उनका चयन होगा जबकि चयन जिनका होना है वह तय हो चुका है।

क्या वन विभाग के अधिकारी ने भर्ती को प्रभावित करने का उठाया जिम्मा ?

वन विभाग के एक अधिकारी की तरफ यह उंगली उठ रही है यह वह अधिकारी हैं जिन्हें वन विभाग का सर्वे सर्वा माना जाता है और बताया जाता है कि प्रदेश कार्यालय मुख्य वन संरक्षक कार्यालय भी इनके आदेश निर्देश के बिना नहीं चलता है। शारीरिक दक्षता परीक्षा में पूरी गड़बड़ी कैसे होगी कैसे मशीन को धांधली के लिए सेट किया जाएगा यह इन्हीं अधिकारी की मंशा से तय हुआ था। बताया जा रहा है कि मशीन वाले ऑपरेटरों के खाने पीने रहने की व्यवस्था इन्हीं के जिम्मे थी और इसी कारण इनका धांधली का प्लान सफल हुआ। अधिकारी के एक सहायक खास सहायक का भी काफी सहयोग धांधली में रहा और वही सबकुछ मैनेज करता रहा यह भी बताया जा रहा है।

कलेक्टर ने ग्राम घुघरी और सराईटोला का निरीक्षण किया

-संवाददाता-
जशपुरनगर,22 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर रोहित व्यास ने विगत दिवस आगामी 25 दिसंबर को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के संभावित दौरे को लेकर बगीचा विकासखंड के गांव घुघरी फरसाबहार विकासखंड के ग्राम सराईटोला का निरीक्षण किया और अधिकारियों को तैयार के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कार्यक्रम स्थल पर पेयजल,विद्युत आपूर्ति बैरिकेडिंग, सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग की व्यवस्था सहित सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर फरसाबहार एसडीएम आर एस लाल अधिकारी और कर्मचारी सुनील गुप्ता उपस्थिति थे।

सुशासन सप्ताह प्रशासन गांव की ओर

-संवाददाता-
जशपुरनगर,22 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सुशासन सप्ताह प्रशासन गांव की ओर के तहत और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में एक साल शानदार पूरे होने के अवसर पर सभी विकास खंड में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कुनकुरी विकास खंड के ग्राम कंडोरा और मनोरा , बगीचा विकास खंड में कृषि विभाग, उद्यान विभाग के द्वारा विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों जिला पंचायत सदस्य श्री गेंद बिहारी, रीना बाखला, पद्म श्री जागेश्वर यादव, जनपद पंचायत अध्यक्ष, श्री जगन राम कृषि स्थाई समिति अध्यक्ष रामजी भगत, जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती सुमित्रा सलाम,प्यारो बाई बी सीडी एवं बड़ी संख्या में किसान बंधु उपस्थित थे।

CMYK

संक्षिप्त खबर

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और भारत दौरे के लिए टीम का ऐलान

15 खिलाड़ियों को मिला मौका

नई दिल्ली,22 दिसम्बर 2024। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी इस बार पाकिस्तान के हाथों में है। इसके लिए एक टीम ने अपने स्क्वाड का ऐलान कर दिया है। फरवरी और मार्च के महीने में चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन हाइब्रिड मॉडल में किया जाना है। हालांकि अभी शेड्यूल का ऐलान नहीं किया गया है। जिस टीम ने अपने स्क्वाड का ऐलान किया है, वह टीम कोई और नहीं बल्कि इंग्लैंड की टीम है। इंग्लैंड ने इसके अलावा भारत दौरे के लिए भी अपने टीम का ऐलान कर दिया है। उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी और भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए एक ही स्क्वाड का ऐलान किया है। इसके लिए 15 खिलाड़ियों को टीम में मौका मिला है। भारत के खिलाफ उन्हें टी20 सीरीज में भी हिस्सा लेना है।जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्से, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल रशीद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

भारत ने बांग्लादेश को चटाया धूल

» गोंगाडी त्रिशा ने अर्धशतक लगाकर जिताया खिताब...

नई दिल्ली,22 दिसम्बर 2024। अंडर-19 महिला एशिया कप का पहला एडिशन 2024 में आयोजित हुआ और भारतीय महिला टीम ने पहली ही बार इसका खिताब जीत लिया। फाइनल में भारत ने बांग्लादेश को 41 रनों से हराकर खिताब पर कब्जा किया है। बांग्लादेश की कप्तान सुमैया अख्तर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इसके बाद पूरी भारतीय टीम सिर्फ 117 रनों पर ही सिमट गई। भारत के लिए गोंगाडी त्रिशा ने अर्धशतक लगाया। छोटे टारगेट का पीछा करते हुए बांग्लादेश की महिला टीम सिर्फ 76 रन ही बना सकी।

बिखर गई बांग्लादेश की बल्लेबाजी

बांग्लादेश महिला टीम की शुरुआत बहुत ही खराब रही थी। जब मोसम्मत इवा बिना खाता खोले पवेलियन लौट गई। बांग्लादेश के लिए सिर्फ दो ही बल्लेबाज ऐसी रही हैं, जो दोहरे अंक में पहुंचने में सफल हो पाईं। इनमें फहमीदा चोया (18 रन) और जुएरिया फिरदौस (22 रन) शामिल हैं। उनके अलावा कोई भी प्लेयर टिक कर बैटिंग नहीं कर पाई। बांग्लादेश ने 55 रन तक सिर्फ 4 विकेट ही गंवाए थे, लेकिन इसके बाद उनकी बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई।

आयुषी शुक्ला ने की दमदार गेंदबाजी

भारत के लिए आयुषी शुक्ला ने सबसे ज्यादा तीन विकेट अपने नाम किए हैं और उन्होंने अपने 3.3 ओवर में ही तीन विकेट झटके। उनके अलावा पुरुनिका सिसोदिया और सोनम यादव ने 2-2 विकेट अपने नाम किए हैं। इन गेंदबाजों ने बांग्लादेश की बल्लेबाजों को बड़े स्ट्रोक नहीं दिए और इसी वजह से पूरी बांग्लादेश टीम 76 रनों पर ऑलआउट हो गई।

त्रिशा ने लगाया अर्धशतक

भारत के लिए 19 साल की गोंगाडी त्रिशा ने कमाल का प्रदर्शन किया। उन्होंने 47 गेंदों में 52 रनों की पारी खेली, जिसमें 5 चौके और दो छक्के शामिल थे। शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी मिला। कप्तान निकी प्रसाद ने 12 रन बनाए। वहीं मिथिला विनोद ने 17 रन, आयुषी शुक्ला ने 10 रनों का योगदान दिया। इन प्लेयर्स के कारण ही टीम इंडिया 100 रनों के पार पहुंचने में सफल रही है। दूसरी तरफ बांग्लादेश के लिए फरजाना एस्मिन ने सबसे ज्यादा चार विकेट अपने नाम किए।

बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले रोहित और केएल राहुल चोटिल

मेलबर्न,22 दिसम्बर 2024। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले, भारत के कप्तान रोहित शर्मा और सलामी बल्लेबाज केएल राहुल रविवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में टीम के अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए।

थ्रोडाउन का सामना करते समय, रोहित के बाएं घुटने पर एक दर्दनाक चोट लग गई। हालांकि उन्होंने अपना अभ्यास सत्र जारी रखने की कोशिश की, लेकिन रोहित को मजबूरन चिकित्सा सहायता लेनी पड़ी और उन्हें एक कुर्सी पर बैठे देखा गया, जहां उनके बाएं घुटने पर लगभग 25 मिनट तक आइस पैक रखा गया।

अगर इतना ही काफी नहीं था, तो राहुल को प्रशिक्षण सत्र में अपने दाहिने हाथ पर भी चोट लग गई और उन्हें तुरंत चिकित्सा सहायता की आवश्यकता थी। चोट लगने के बाद रोहित और राहुल की स्थिति के बारे में बीसीसीआई या भारतीय टीम की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।अभ्यास सत्र के दौरान तेज गेंदबाज आकाश दीप के हाथ में भी चोट लगी, लेकिन उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, अभ्यास पिच शायद सफेद गेंद वाले क्रिकेट के लिए है, गेंद कई बार नीचे रहती है। जहां तक इन छोटी-मोटी चोटों की बात है, ये चीजें प्रशिक्षण के दौरान होती हैं, और इस वजह से कोई बड़ी चिंता की बात नहीं है। मैं ठीक हूं। यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, रोहित और ऋषभ पंत ने नेट्स में लंबे समय तक बल्लेबाजी की, जबकि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और अन्य तेज गेंदबाजों ने पूरी ताकत से अभ्यास किया। 26 दिसंबर से मेलबर्न में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट से पहले भारतीय टीम सोमवार को आराम करेगी। पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबर है। भारत ने पर्थ में 295 रनों की शानदार जीत के साथ सीरीज की शुरुआत की, इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में दस विकेट से जीत हासिल की, फिर ब्रिस्बेन में बारिश से प्रभावित मैच में दोनों टीमों के बीच ड्रॉ रहा।

13 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अब रचा नया इतिहास

» भारत के लिए किया ये बड़ा करिश्मा

नई दिल्ली,22 दिसम्बर 2024। 13 साल के वैभव सूर्यवंशी आईपीएल ऑक्शन में बिकने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स की टीम ने उन्हें 1.10 करोड़ रुपये की मोटी रकम पर खरीदा था। वह हाल ही में भारत के लिए अंडर-19 एशिया कप में खेलते हुए दिखाई दिए थे। तब वह अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित करने में सफल रहे थे।

लिस्ट-ए क्रिकेट में किया डेब्यू

अब वैभव सूर्यवंशी क्रिकेट की दुनिया में एक और महारिकॉर्ड बनाया है। वह भारत के लिए लिस्ट-ए मैच में खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने बिहार की तरफ से मध्य प्रदेश के खिलाफ मुकाबला खेला और ये रिकॉर्ड बनाया है। वैभव सूर्यवंशी की उम्र इस समय 13 साल 269 दिन है और उन्होंने अली अकबर का रिकॉर्ड ध्वस्त किया है। अली अकबर ने 1999/2000 सीजन में विदर्भ के लिए लिस्ट ए में डेब्यू किया था। तब उनकी उम्र 14 साल 51 दिन थी।

पहले मैच में हुए फ्लॉप

विजय हजारे ट्रॉफी के अपने पहले ही मैच में वैभव सूर्यवंशी बल्ले से वह कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए और दो गेंदों में सिर्फ चार रन बनाकर आउट हो गए, जिसमें एक चौका शामिल रहा। बिहार की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए कुल 196 रन बनाए, जिसमें कप्तान शाकिबुल गनी ने सबसे ज्यादा 50 रनों की पारी खेली। इसके बाद मध्य प्रदेश ने रजत पाटीदार और हर्ष गवली की मदद से टारगेट को चेज कर लिया और 6 विकेट से जीत दर्ज कर ली। हर्ष ने 83 रन और पाटीदार ने 55 रन बनाए।

अंडर-19 एशिया कप में किया दमदार प्रदर्शन

अंडर-19 एशिया कप 2024 में वैभव सूर्यवंशी ने कमाल का प्रदर्शन किया था। तब उन्होंने 5 मैचों में 176 रन बनाए थे, जिसमें उनके बल्ले से दो अर्धशतक निकले थे। वह टूर्नामेंट में भारत के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। वह अपनी बैटिंग से सभी का दिल जीतने में कामयाब हुए थे। लेकिन फाइनल मुकाबले में उनका बल्ला नहीं चला था और भारतीय टीम को बांग्लादेश के खिलाफ हार झेलनी पड़ी थी।

सचिन के कीर्तिमान को विराट कोहली कर सकते हैं ध्वस्त

रहाणे को भी पीछे करने का सुनहरा मौका

नई दिल्ली,22 दिसम्बर 2024। विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी सीरीज के पहले मुकाबले में शतक लगाया था। तब उन्होंने 100 रनों की पारी खेली थी। इसी वजह से टीम इंडिया ने ये मुकाबला 295 रनों से जीता था। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने पलटवार करते हुए दूसरा मैच 10 विकेट से जीता। तीसरा मुकाबला बारिश की वजह से ड्रॉ हो गया। अब सीरीज 1-1 से बराबर है और दोनों टीमों के बीच चौथा मुकाबला 26 दिसंबर से मेलबर्न के मैदान पर खेला जाएगा। कोहली दूसरे और तीसरे मैच में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए थे। ऐसे में फैंस को अब उनसे बड़ी पारी की उम्मीद होगी।

भारत को मिली इस बड़े टूर्नामेंट की मेजबानी

अगले साल होगा आयोजित

नई दिल्ली,22 दिसम्बर 2024। भारत को अगले साल जूनियर शूटिंग वर्ल्ड कप की मेजबानी का अधिकार मिला है, जिसमें राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगिताएं शामिल होंगी। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने इस खबर की जानकारी रविवार को दी। यह आयोजन भोपाल में 2023 में आयोजित सीनियर वर्ल्ड कप और इस साल की शुरुआत में हुए सीजन के अंत में आयोजित वर्ल्ड कप फाइनल के बाद, देश का तीसरा टॉप इंटरनेशनल निशानेबाजी टूर्नामेंट होगा। इससे भारत की शूटिंग जैसे खेल के लिए एक प्रमुख स्थल के रूप में और मजबूत होगी।

जल्द होगा तारीखों का ऐलान

हालांकि, इस टूर्नामेंट की तारीखों को लेकर अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। एनआरएआई को आईएसएसएफ से आधिकारिक पुष्टि मिलने के बाद, राष्ट्रीय महासंघ के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने बताया कि पिछले महीने रोम में आईएसएसएफ की कार्यकारी समिति की एक बैठक हुई थी। इस बैठक में आईएसएसएफ के अध्यक्ष लुसियानो रॉसी और अन्य सदस्य महासंघों ने भारत की मेजबानी और खेल को वर्ल्ड लेवल पर बढ़ावा देने में योगदान देने की प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा कि हमें पहले से ही इसका आभास था, लेकिन अब जब आधिकारिक पुष्टि हो गई है, तो हम इस अवसर को लेकर बेहद उत्साहित हैं और अपनी पूरी मेहनत से इस प्रतियोगिता की मेजबानी करने के लिए तैयार हैं।

एनआरएआई के महासचिव सुल्तान सिंह ने बताया कि आईएसएसएफ ने दो संभावित समय निर्धारित किए हैं, जिनमें एक सितंबर से अक्टूबर 2025 तक और दूसरा अक्टूबर के अंत तथा नवंबर की शुरुआत में है। एनआरएआई जल्द ही आंतरिक बैठक के बाद इन तारीखों पर अपनी स्थिति स्पष्ट करेगा ताकि सदस्य महासंघों को इसकी जानकारी दी जा सके और वे इस अनुसार अपनी तैयारी कर सकें।

भारत पहले करा चुके है निशानेबाजी के टूर्नामेंट

इससे पहले, भारत ने दो चैंपियनशिप और छह आईएसएसएफ प्रतियोगिताओं की मेजबानी की है, जिनमें दो विश्व कप फाइनल और चार सीनियर आईएसएसएफ विश्व कप शामिल हैं। इन प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन ने भारत को निशानेबाजी के इंटरनेशनल मंच पर एक प्रमुख भूमिका में स्थापित किया है।

किच्चा सुदीप स्टारर मैक्स की ट्रेलर रिलीज तारीख से उठा पर्दा

साउथ अभिनेता किच्चा सुदीप इन दिनों अपनी आगामी फिल्म मैक्स को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। वे लगातार इस फिल्म के प्रचार में भी लगे हुए हैं। वहीं, निर्माताओं ने अधिकारी पोस्ट साझा करते हुए फिल्म के ट्रेलर की रिलीज की तारीख से भी पर्दा उठा दिया है। साथ ही उन्होंने फिल्म का नया पोस्टर भी जारी किया है।निर्माता फिल्म के लिए प्री-रिलीज इवेंट की योजना भी बना रहे हैं। मैक्स के निर्माताओं ने पोस्ट साझा करते हुए बताया कि फिल्म का ट्रेलर 22 दिसंबर को रिलीज होगा। इसके साथ ही उन्होंने ट्रेलर रिलीज के समय का भी खुलासा किया। निर्माताओं ने बताया कि मैक्स का ट्रेलर आज 22 दिसंबर को सुबह 11.08 बजे रिलीज होगा। फिल्म के ट्रेलर में मैक्स की कहानी और किच्चा सुदीप के एक्शन दृश्यों की भी झलकियां दिखाई जाएंगी।वहीं, फिल्म के नए पोस्टर की बात करें तो किच्चा सुदीप दमदार अंदाज में एक पुरानी टूटी-फूटी बस के ऊपर खड़े हैं। एक हाथ में उन्होंने गिलास पकड़ रखा है तो वहीं खून से लथपथ किच्चा ने एक हाथ में गन भी थामी हुई है। इससे पहले 16 जुलाई को रिलीज हुई फिल्म के ट्रेलर में किच्चा सुदीप एक्शन अवतार में नजर आए थे।मैक्स का निर्देशन विजय कार्तिकेय ने किया है और इसे 2023 के अंत या 2024 की शुरुआत में रिलीज किया जाना था, लेकिन फिल्म के निर्माण में देरी हुई। फिर इसकी रिलीज को क्रिसमस तक टाल दिया गया। इस फिल्म का संगीत बी अजनीश लोकनाथ ने तैयार किया है। वहीं, छायांकन शेखर चंद्रा ने किया है। यह फिल्म 25 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बॉक्स ऑफिस पर मुफासा की अच्छी ओपनिंग

मुफासाः द लायन किंग' का रिलीज से पहले काफी बज बन हुआ था। फाइनली ये मूवी सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म को रिलीज के पहले दिन दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और इसी के साथ इसकी भारतीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत हुई है। मुफासाः द लायन किंग' ने रिलीज के पहले दिन कितने करोड़ का कलेक्शन किया है? द लायन किंग' की रिलीज के पांच साल बाद अब मुफासाः द लायन किंग' दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी एक्साइटमेंट इसलिए बनी हुई है क्योंकि इसके हिंदी वर्जन को जहां शाहरुख खान और उनके दोनों बेटों अबराम और आर्यन के अलावा श्रेयस तलपड़े और संजय मिश्रा ने अपनी आवाज दी है। वहीं फिल्म के तेलुगु वर्जन में मुफासा के किरदार को महेश बाबू ने आवाज दी है। बता दें कि डिज्नी की इस एनिमेटिड सीरीज का नाना पाटेकर की वनवास के साथ क्लैश हुआ है वहीं बॉक्स ऑफिस पर पुष्पा 2 पहले ही धमाल मचा रही है। इन सबके बावजूद मुफासाः द लायन किंग' की ओपनिंग अच्छी हुई है. वहीं अब फिल्म की रिलीज के पहले दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं। सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक मुफासाः द लायन किंग' ने रिलीज के पहले दिन भारत में 8.80 करोड़ का कलेक्शन किया है।

गुम है किसी के प्यार में को अंकिता खरे ने कहा अलविदा!

अनुपमा से रातोंरात बाहर हुई अलीशा परवीन के बाद अब टीवी के एक और पॉपुलर शो की एक्ट्रेस के फैंस को झटका लगने वाला है। जी हां, भाविका शर्मा और हितेश भारद्वाज स्टारर गुम है किसी के प्यार में हरिणी का किरदार निभा रहीं एक्ट्रेस अंकिता खरे अब इस शो में नजर नहीं आएंगी। क्या टीआरपी की रेस में सबसे आगे रहने वाले इस शो में नया मोड़ आने वाला है या फिर कुछ नया देखने को मिलने वाला है। सोशल मीडिया पर कई दिनों से एक्ट्रेस के शो छोड़ने की खबर चल रही थी।हितेश भारद्वाज और भाविका शर्मा अभिनीत शो गुम है किसी के प्यार में 20 साल के लीप के बाद से ही अपने दर्शकों का मनोरंजन करने में लगा हुआ है। कुछ समय पहले ही इस डेली सोप की कहानी में बड़ा बदलाव देखने को मिला था। अब एक बार फिर से अंकिता खरे के शो छोड़ने के बाद बड़ा बदलाव देखने को मिलने वाला है क्योंकि हरिणी की भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस अंकिता खरे सवी और रजती की कहानी का अब हिस्सा नहीं होंगी। अंकिता खरे के शो से चले जाने के बाद दर्शक एक्ट्रेस की स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी को जरूर मिस करेंगे। उन्होंने इस शो में भाविका शर्मा उर्फ सवी की भाभी का किरदार निभा कर पहचान बनाई है।यह खबर टीवी एक्ट्रेस अंकिता खरे के फैंस के लिए हैरान करने वाली बात है क्योंकि उनके किरदार और कहानी के लिए उन्हें लोगों के खूब प्यार मिला है। अंकिता शो को अलविदा कहने की तैयारी कर रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, एक्ट्रेस ने अपने फैसले के बारे में प्रोडक्शन हाउस को पहले ही अपडेट कर दिया है। हालांकि, ये शो कई सालों से रेटिंग चार्ट के टॉप 5 में रहा है। लेकिन, उसके इस किरदार के जाने से टीआरपी में थोड़ी गिरावट देखी जा सकती है।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

पांचवी और आठवीं के स्टूडेंट्स को नहीं मिलेगा जनरल प्रमोशन

रायपुर, 22 दिसम्बर 2024(ए)। अब पांचवी-आठवीं की परीक्षा में जनरल प्रमोशन देकर अगले कक्षा में प्रोन्नति नहीं दी जाएगी। वार्षिक परीक्षा में अवसर देने के बाद यदि कोई विद्यार्थी परीक्षा पास नहीं हो पाएगा तो 2 माह के भीतर उसे एक और अवसर दिया जाएगा। इसमें भी परीक्षा पास नहीं होने पर फिर से क्लास रिपीट करनी होगी। भारत सरकार ने राजपत्र में इसका प्रकाशन कर दिया है। स्कूल शिक्षा के गिरते स्तर के चलते केंद्र सरकार ने यह निर्णय लिया है।

आईएएस अमित कटारिया बने स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव

मुकेश बंसल को मिली ये जिम्मेदारी

रायपुर, 22 दिसम्बर 2024(ए)। राज्य शासन ने केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस लौटे आईएएस अमित कटारिया को स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव पद पर पदस्थ किया है। वहीं आईएएस मुकेश कुमार बंसल को मुख्यमंत्री के सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। वहीं, 2004 बैच के आईएएस अधिकारी अमित कटारिया करीब एक महीने से अपनी पोस्टिंग का इंतजार कर रहे थे।

डीएसपी का पति गांजा तस्करी में गिरफ्तार

इनोवा कार से 2 क्विंटल गांजा जब्त

सरायपाली/रायपुर,22 दिसम्बर 2024(ए)। सरायपाली के पूर्व विधायक किस्मत लाल नंद के दामाद सूर्यकांत नंद को सारंगढ़ से सरायपाली बॉर्डर में अवैध गांजा तस्करी करते हुए पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पत्नी डीएसपी के पद पर आसीन है। जानकारी के अनुसार डोंगरीपाली थाना पुलिस बल ने इनोबा गाड़ी से 2 क्विंटल गांजा बरामद किया है। वह गाड़ी पूर्व कांग्रेस विधायक के बेटे के नाम पर आरटीओ में रजिस्टर्ड है। पुलिस ने गाड़ी और गांजा जब्त कर लिया है लेकिन वाहन चालक मौके पर से फरार हो गया। बरामद किए गए गांजा की कीमत लगभग 30 लाख रुपए बताई जा रही है। पूर्व विधायक किस्मतलाल नंद ने माना- गाड़ी उनकी है मामले में पूर्व विधायक किस्मतलाल नंद ने माना कि, गाड़ी उनके बेटे अंकित नंद के नाम पर ही रजिस्टर है। उन्होंने कहा कि, मुझे रात 2 बजे घटना की सूचना मिली। गाड़ी 12 बजे से घर पर नहीं थी। हमारे पास तीन ड्राइवर हैं लेकिन यह पता नहीं है कि, गाड़ी उस वक्त कौन चला रहा था।

देर रात से अनशन पर बैठे पार्षद रवींद्र राय

जब तक समाधान नहीं तब तक करेंगे अनशन

रायगढ़,22 दिसम्बर 2024(ए)। जिले के धरमजयगढ़ नगरपंचायत कार्यालय के सामने रात में अन्न त्यागकर पार्षद रवींद्र राय अनशन पर बैठे है, उनका कहना है कि जबतक मांग पूरी नहीं होगी रात हो या दिन

भूखे प्यासे बैठे रहेंगे। वार्ड क्रमांक एक के पार्षद रवींद्र राय का कहना है कि जबतक नगर की समस्या का समाधान नहीं होगा तबतक अनशन पर बैठे रहेंगे।बताया जा रहा है कि, धरमजयगढ़ एसडीएम दिगेश पटेल द्वारा लिखित आश्वासन के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ था, वहीं पार्षद का कहना है कि कुछ ही दिनों में नगर में चुनाव है अगर जनता की समस्या हल नहीं कर पाया तो मेरा पार्षद बनने का क्या महत्व रहेगा।

महतारी वंदन योजना का लाभ सनी लियोनी को भी

» बॉलीवुड की इस अभिनेत्री को पैसे भेज रही है सरकार...
» सनी लियोनी के खाते में हर महीने ट्रांसफर हो रही इतनी राशि...
» महतारी वंदन योजना की गड़बड़ी का मामला...
» सनी लियोनी के खाते में भेजे जा रहे हैं पैसे...
» हर महीने एक हजार रुपये भेज रही सरकार...
» फर्जी नाम आने से एक्शन में आया प्रशासन

महतारी वंदन योजना - लाभार्थी आवेदन एवं भुगतान की स्थिति
दिनांक: 22-12-2024
हितग्राही की जानकारी
पंजीयन क्रमांक MVY006535575
नाम sunny leon
पति का नाम jonny sins
आवेदन दर्ज लेवल आंगनबाड़ी द्वारा
परियोजना/सेक्टर/आंगनबाड़ी केंद्र BASTAR / Bastar / Talur
आंगनबाड़ी द्वारा जांच स्थिति
सुपरवाईजर द्वारा जांच स्थिति
आवेदन की स्थिति
भुगतान की स्थिति आपको माह 3/2024 के महतारी वंदन योजना की राशि रुपये 1000/- खाता क्रमांक xxxxx76531 में अंतरित की गई है।
आपको माह 4/2024 के महतारी वंदन योजना की राशि रुपये 1000.0000/- खाता क्रमांक xxxxx76531 (STATE BANK OF INDIA) में अंतरित की गई है।

रायपुर,22 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार की गेमचेंजर स्कीम महतारी वंदन योजना का लाभ सनी लियोनी को भी मिल रहा है। महतारी वंदन योजना के लाभार्थियों में सनी लियोनी का नाम शामिल होने के बाद राज्य की सियासत भी तेज हो गई है। कांग्रेस ने इस योजना पर बड़ी गड़बड़ी का आरोप लगाया है। कांग्रेस का आरोप है कि योजना के माध्यम से गलत नामों को राशि ट्रांसफर की जा रही है। सनी लियोनी के नाम के लाभार्थी के खाते में पिछले 10 महीने से हर माह 1000 रुपये दिए गए हैं।

बस्तर का है मामला

मामला राज्य के बस्तर इलाके का है। महतारी वंदन योजना का लाभ बस्तर में बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री सनी लियोन को मिल रहा है। सरकार की महतारी वंदन योजना की वेबसाइट पर इसी नाम से हितग्राही रजिस्टर्ड है। वेब साइट में पंजीयन क्रमांक एमव्हीवाई 006535575 डालने पर हितग्राही का नाम सनी लियोन और पति का जॉनी सींस आ रहा है। हितग्राही को बाकायदा योजना के शुरुआत होने से अब तक हर महीने खाते में एक हजार रुपए की राशि डाली जा रही है।

कांग्रेस ने सरकार को घेरा

फर्जी नाम सामने आने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि हम लोगों को शुरू से ही आभास था कि महतारी वंदन के नाम से छत्तीसगढ़ की माता-बहनों के नाम से सरकार बड़ा गोलमाल कर रही है। कौन है यह सनी लियोन जिसके खाते में पैसा जा रहा है? कौन है इसका सूत्रधार यह जांच का विषय है। सरकार को पता करना चाहिए कि कहीं करीना कपूर के नाम से भी पैसा तो नहीं जा रहा है। महतारी वंदन के नाम पर बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है इसलिए इस तरह के मामले सामने आ रहे हैं।

बीजेपी ने किया पलटवार

दीपक बैज के बयान पर बीजेपी ने पलटवार किया है। भाजपा विधायक सुशांत शुक्ला ने कहा- छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना ऐतिहासिक कदम है। कांग्रेस भयभीत है इस कारण ऐसे बयान दे रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर इलाके में एक विसंगति आई है। एक हिरोइन के नाम पर पैसे निकल रहे हैं, इसकी जांच होगी।

महतारी वंदन योजना में सनी लियोन के नाम पर युवक ले रहा था लाभ,एफ आईआरदर्ज

बस्तर कलेक्टर हरिस एस ने महतारी वंदन योजना में ग्राम तालुर से संबंधित अनियमितता की जांच करने के निर्देश महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने संबंधित के बैंक खाते को सीजकर वसूली की कार्यवाही करने और इस कार्य में संलिप्त व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग ने रविवार को संबंधितों पर आवश्यक कार्रवाई भी की है। बता दें कि बस्तर में एक युवक सनी लियोन के नाम से योजना का लाभ ले रहा था। इसकी शिकायत मिलते ही प्रशासन ने दोषी व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

नान घोटाले की जांच का जिम्मा सीबीआई को

» दो पूर्व आईएएस के बाद अब पूर्व महाअधिवक्ता पर भी लगे ये गंभीर आरोप

रायपुर,22 दिसम्बर 2024(ए)। राज्य के चर्चित नागरिक आपूर्ति निगम (नान) घोटाले की जांच अब केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) करेगी। राज्य सरकार ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। मामला गवाहों के बयान बदलवाने, सबूतों से छेड़छाड़, और पद के दुरुपयोग जैसे गंभीर आरोपों से जुड़ा है। आरोपियों में पूर्व महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा, और वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ. आलोक शुक्ला एवं अनिल टुटेजा शामिल हैं। इस मामले में ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो) ने 4 नवंबर 2024 को एफआईआर दर्ज की। एफआईआर के अनुसार, आरोपियों ने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत पाने के लिए गवाहों के बयान बदलवाने और सबूतों में छेड़छाड़ की। सतीश चंद्र वर्मा ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर डॉ. आलोक शुक्ला और अनिल टुटेजा को लाभ पहुंचाया।

डिजिटल सबूत

ईओडब्ल्यू को जांच के दौरान वाट्सएप चैट और अन्य डिजिटल साक्ष्य मिले। इन चैट्स में स्पष्ट है कि आरोपियों ने ईओडब्ल्यू के वरिष्ठ अधिकारियों पर दबाव डालकर प्रक्रियात्मक दस्तावेज और विभागीय जानकारी में बदलाव करवाए। इसका उद्देश्य हाईकोर्ट में मजबूत पक्ष रखने और अग्रिम जमानत प्राप्त करने में मदद करना था।

घोटाले में शुरुआत में नागरिक आपूर्ति निगम के तत्कालीन अधिकारी शिवशंकर भट्ट सहित 27 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ। बाद में निगम के तत्कालीन अध्यक्ष और एमडी को भी आरोपियों की सूची में शामिल किया गया। एफआईआर दर्ज होने के बाद पूर्व महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा ने रायपुर की विशेष अदालत में अग्रिम जमानत की अर्जी दी, लेकिन इसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई, जहां भी उन्हें कोई राहत नहीं मिली।

अप्रैल 2024 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस मामले में अपनी रिपोर्ट ईओडब्ल्यू को सौंपी। ईडी ने अपनी जांच में डिजिटल डिवाइस से मिले वाट्सएप चैट और अन्य सबूत साझा किए, जिसमें स्पष्ट तौर पर घोटाले की साजिश का विवरण था। रिपोर्ट में कहा गया कि अनिल टुटेजा और आलोक शुक्ला ने हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत लेने के लिए अपने पद का दुरुपयोग किया।

ईडी ने यह भी खुलासा किया कि गवाहों के बयान बदलवाने और न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए बड़ी साजिश रची गई।

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

मृत शरीर के साथ यौन संबंध को नहीं माना जा सकता बलात्कार

रायपुर, 22 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पोक्सो अधिनियम) के तहत मृत शरीर के साथ यौन संबंध को बलात्कार के अपराध के रूप में नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने यह टिप्पणी एक मामले में दी, जिसमें एक आरोपी पर मृतक के शव के साथ बलात्कार करने का आरोप था। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि ये प्रावधान केवल जीवित व्यक्ति के मामले में ही लागू होते हैं, न कि मृत शरीर के संदर्भ में। यह मामला एक नाबालिग लड़की के अपहरण, बलात्कार और हत्या से संबंधित था, जिसका शव मिलने के बाद आरोपी नीलकंठ उर्फ नीलू नागेश पर शव के साथ यौन संबंध बनाने का आरोप था। हालांकि, ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को आईपीसी की धारा 376 (बलात्कार) और पोक्सो अधिनियम के तहत बलात्कार के आरोप से बरी कर दिया था।

कोर्ट ने इस फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि मृत शरीर के साथ बलात्कार नेक्रोफीलिया एक जघन्य अपराध जरूर है, लेकिन यह भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत बलात्कार की श्रेणी में नहीं आता। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बिभु दत्ता गुरु की खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा कि हम मानते हैं कि शव के साथ किया गया अपराध बेहद घृणित है, लेकिन भारतीय कानून के तहत इसे बलात्कार के अपराध के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि बलात्कार का अपराध केवल जीवित व्यक्ति पर लागू होता है, न कि मृतक के शव पर। इस मामले में आरोपी नीलकंठ नागेश को आईपीसी की धारा 201 (अपराध के साक्ष्य को मिटाना) और धारा 34 (सामान्य इरादे से किए गए कार्य) के तहत दोषी ठहराया गया और उसे सात साल की सजा सुनाई गई। वहीं, दूसरे आरोपी नितिन यादव को बलात्कार, अपहरण और हत्या के आरोप में दोषी पाया गया और उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

5 खूंखार नक्सली गिरफ्तार

सुकमा,22 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिलों में जारी नक्सलियों के आतंक के बीच सुकमा जिले के चिंतागुफा थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल हुई है। गौरतलब है कि 01 महिला सहित 05 नक्सलियों को गिरफ्तार किया। ये सभी नक्सली चिंतागुफा क्षेत्र में एक ग्रामीण की हत्या की घटना में शामिल थे। इनमें से 02 नक्सलियों पर 2-2 लाख रुपए और 01 नक्सली पर 01 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

शनिवार को पुलिस को नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना मिली थी। इसके बाद थाना चिंतागुफा से डीआरजी, जिला बल और कैंप दुलेड़ से सीआरपीएफ की 02 बटालियन और 203 कोबरा बटालियन की संयुक्त टीम को ग्राम दुलेड़ और आसपास के क्षेत्र में भेजा गया। अभियान के दौरान दुलेड़ जंगल के पास कुछ संदिग्धों को पुलिस पार्टी देखकर भागने का प्रयास करते हुए देखा गया। पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया।

जैन मंदिर सें कीमती कलश की चोरी

छत्र समेत अन्य आभूषण सहित 10 लाख की चोरी...

रायपुर, 22 दिसम्बर 2024(ए)। राजधानी में ठंड के साथ-साथ अब चोरी की घटनाएं भी बढ़ने लगी है। चोरों ने रायपुर के जैन मंदिर को निशाना बनाया है। जहां लाभांडी के जैन मंदिर से कीमती कलश, छत्र समेत अन्य आभूषण चोरों ने

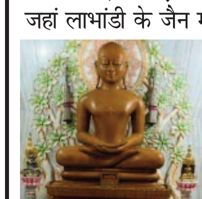

पार कर दिया है। इस घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची है। तेलीबाधां पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार रायपुर के लाभांडी श्री पद्मप्रभ दिगंबर जैन मंदिर में चोरी हुई है। जहां चोरों ने मंदिर में करीब 10 लाख से ज्यादा की चोरी की घटना को अंजाम दिया है। जहां से कलश, छत्र समेत अन्य आभूषण बदमाशों ने पार कर दिए हैं। मंदिर में भगवान की प्रतिमा छोड़ सबकुछ चोरी हो गया है। इस घटना की सूचना के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।जानकारी के अनुसार चोरों ने जैन मंदिर से मूलनायक का स्वर्ण पॉलिस छत्र, 8 अष्टप्रिहार्य, 5 पंचमेरू, चांदी की 2 बड़ी थाली, चांदी के 6 शांतिधारा झारी, चांदी के 9 अभिषेक कलश, एक स्वर्ण कलश, दो चांदी भाली, चार छत्र चांदी, तीन आशिका, एक चांदी का लोटा, 5 चांदी की छोटी प्लेट, चांदी की एक गुंडी, चांदी की एक चम्मच, चांदी की एक बड़ी गंजी और अन्य सामग्री चोरी हुई है।

रूढ़िवादी परंपरा को दरकिनार कर बेटी ने पिता का किया अंतिम संस्कार

खैरागढ़,22 दिसम्बर 2024 (ए)। पिता की चिता को मुखाग्नि देने का अधिकार केवल बेटों को है, इस रूढ़िवादी सोच को पीछे छोड़ते हुए, दाऊचौरा निवासी संजय श्रीवास्तव की बेटी शिवांगी श्रीवास्तव ने अपने पिता को मुखाग्नि देकर समाज में एक नई मिसाल कायम की।

संजय श्रीवास्तव,जो पेशे से अधिवक्ता थे,लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। आज उन्होंने अपने निवास स्थान पर अंतिम सांस ली। निधन के समय उनकी पत्नी और बेटी शिवांगी उनके पास थीं। शिवांगी, जो वर्तमान में केंद्रीय विद्यालय में ग्यारवी कक्षा की छात्रा है, ने अपने पिता के अंतिम संस्कार की सारी रस्में निभाई। दाऊचौरा स्थित जैन मुक्तिधाम में शिवांगी ने आंसुओं से भरी आंखों के साथ अपने पिता की चिता को मुखाग्नि दी। उनकी इस पहल ने समाज में यह साबित कर दिया कि बेटा और बेटी में कोई अंतर नहीं है। शिवांगी को अपने पिता का अंतिम संस्कार करते देख वहां मौजूद सभी लोगों की आंखें नम हो गई। यह घटना समाज को यह सिखाती है कि बेटियां भी हर उस जिम्मेदारी को निभाने में सक्षम हैं,जो परंपरागत रूप से बेटों के लिए मानी जाती हैं. शिवांगी का यह कदम समाज में बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण संदेश है।

रेपिस्ट का पीड़िता के पिता को वीडियो भेजना पड़ा महंगा

कोर्ट ने सुनाई 20 साल की सजा, 5 लाख का जुर्माना भी

रायपुर,22 दिसम्बर 2024 (ए)। नाबालिग से दुष्कर्म कर उसका वीडियो बनाने और उसके पिता को भेजने वाले युवक को रायपुर की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 20 साल की सजा सुनाते हुए 5 लाख रूपए का जुर्माना भी लगाया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार सोम ने यह फैसला सुनाया है।

विशेष लोक अभियोजक विमला तांडी ने बताया कि 2020 में पीड़िता का आरोपी राहुल बघेल से परिचय हुआ था। वह उसके घर के सामने चल रहे कंस्ट्रक्शन साइट पर सुपरवाइजर का काम करता था। दोनों में बातचीत हुई और परिचय हो गया। आरोपी ने कहा कि मैं तुम्हें पसंद करता हूं और जून 2020 में आरोपी उसे अपने दोस्त के घर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं, आरोपी ने उसका वीडियो बनाया और फोटो भी ले ली। उसने लड़की को आश्वस्त किया कि इसे मैं किसी को नहीं दिखाउंगा, अपने पास ही रखूंगा। पीड़िता को घर पर छोड़कर आरोपी बिलासपुर चला गया और फिर उस पर शादी का दबाव बनाने लगा। नाबालिग ने शादी से मना कर दिया तो युवक उसे परेशान करने लगा। आखिरकार नाबालिग ने परेशान होकर युवक का नंबर ब्लॉक कर दिया। इसके बाद फरवरी 2024 में आरोपी ने पीड़िता के पिता के मोबाइल में उसका अश्लील वीडियो और फोटो भेज दिया।

अहम सबूत भेजकर की गलती

युवक ने शादी के लिए दबाव बनाने की नियत से पीड़िता के पिता को वीडियो और तस्वीरें तो भेज दी, मगर उसका यही कृत्य उसके लिए उल्टा पड़ गया। लड़की के पिता ने मामले में पुलिस में स्नढ्ढक्र दर्ज कराते हुए बतौर सबूत सारे फोटोज और वीडियो पुलिस को सौंप दिए। इसके बाद मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में हुई। न्यायालय ने पूरे मामले की विवेचना के बाद राहुल बघेल पर लगे आरोपों को सही पाया और उसे 20 साल की सजा के साथ 5 लाख रूपए का जुर्माना भी लगाया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)